भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा-3, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक-68 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
13 सितंबर 2026
रविवार

आज का मौसम
31.3 अधिकतम
23.5 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

कोलकाता से लेकर पूरा बंगाल तक... कैसे और कितना बदल रहा है?

राजेश सिरोठिया
कोलकाता ग्राउंड रिपोर्ट
पार्ट -1

चार दशक से ज्यादा समय बाद कोलकाता की जमीन पर कदम रखते हुए जेहन में पहला सवाल यही था... क्या बंगाल वाकई बदल रहा है? अगर बदल रहा है तो कितना और कैसे? नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही इस सवाल का जवाब तलाशने की कोशिश शुरू हो गई। देर रात विधाननगर की अपेक्षाकृत आधुनिक और सुनसान सड़कों से गुजरते हुए लगा कि कोलकाता का एक चेहरा निश्चित रूप से बदल चुका है। लेकिन अगली सुबह शहर के पुराने हिस्सों और हावड़ा की तरफ बढ़ते ही तस्वीर के दूसरे रंग भी सामने आने लगे।

साल्ट लेक स्टेडियम के पास से गुजरते हुए कुछ साल पहले का वह दृश्य याद आ गया, जब तृणमूल सरकार के दौर में अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी के आगमन को लेकर जबरदस्त उत्साह और अव्यवस्था देखने को मिली थी। मेसी को तो सुरक्षा मिली, लेकिन उनकी एक झलक पाने के लिए उमड़ी भीड़ का हंगामा आज भी कोलकाता की राजनीतिक-सामाजिक स्मृतियों का हिस्सा है। आज उसी इलाके में शहर का एक अलग चेहरा दिखाई देता है। हावड़ा को कोलकाता से जोड़ने वाले हुगली पर बने नए पुल ने यातायात के दबाव को काफी हद तक कम किया है। पुराने पुल पर लगने वाले लंबे जाम से भी राहत मिली है। शहर की सड़कों और सार्वजनिक ढांचे में यह बदलाव नजर आता है। लेकिन, सड़क किनारे दिखाई देने वाले राजनीतिक और धार्मिक प्रतीक भी इस बदलते बंगाल की एक अलग कहानी कह रहे हैं। कई जगह भगवा झंडे और 'जय श्रीराम' के नारे लिखे झंडे दिखाई देते हैं। मध्य प्रदेश के बागेश्वर धाम से जुड़े बड़े-बड़े पोस्टर और होर्डिंग भी नजर आते हैं।

यह दृश्य उस बंगाल से अलग है जिसकी राजनीतिक पहचान लंबे समय तक वामपंथी राजनीति और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस के प्रभुत्व से बनी रही। नबन्ना राज्य सचिवालय की ओर बढ़ते हुए भी सत्ता की बदली हुई राजनीतिक भाषा के संकेत दिखाई देते हैं। शहर के पुराने हिस्से में एस्प्लेनेड और पार्क स्ट्रीट आज भी अपनी रोशनी और रौनक बनाए हुए हैं। विक्टोरिया मेमोरियल के आसपास पर्यटकों को आकर्षित करती घोड़ागाड़ियां भी कोलकाता की पुरानी पहचान को जीवित रखे हुए हैं। हमारे साथ मौजूद वीडियो जर्नलिस्ट आदित्य चौरसिया ने इस बदलते शहर के कई रंग अपने कैमरे में दर्ज किए।

फोटो-आदित्य चौरसिया

लेकिन असली परीक्षा हावड़ा पहुंचते ही शुरू होती है। हावड़ा-जहां इतिहास ठहरा हुआ लगता है। हावड़ा इलाके में प्रवेश करते ही 44 साल पुरानी स्मृतियां जैसे फिर सामने आ गईं। लोगों का हुजूम, स्टेशन पर भीड़, भागती-दौड़ती जिंदगी और लोकल ट्रेनों में चढ़ने-उतरने की जद्दोजहद। बहुत कुछ वैसा ही दिखाई देता है। हावड़ा स्टेशन के पुराने प्लेटफॉर्म हों या लोकल ट्रेनों वाला विस्तारित हिस्सा, भीड़ आज भी बंगाल के महानगरीय जीवन की सबसे बड़ी सच्चाइयों में से एक है। हां, ठीक बगल में हावड़ा मेट्रो स्टेशन एक बिल्कुल नई तस्वीर पेश करता है। हावड़ा मैदान से एस्प्लेनेड होते हुए साल्ट लेक की दिशा में जुड़ती मेट्रो और हुगली नदी के नीचे से गुजरने वाली सुरंग आधुनिक बंगाल की तकनीकी क्षमता और बदलते परिवहन ढांचे का प्रतीक है। लेकिन सवाल यही है कि क्या यह आधुनिकता शहर के हर हिस्से तक पहुंची है?

हावड़ा के पुराने औद्योगिक इलाके इसका आसान जवाब नहीं देते। कभी 'सिटी ऑफ इंडस्ट्री' के रूप में पहचाने जाने वाले इस इलाके में वह औद्योगिक रवानी अब दिखाई नहीं देती। वे मिलें, कारखाने और मजदूर राजनीति का वह संसार भी काफी हद तक इतिहास बन चुका है, जिसने कभी हावड़ा की पहचान गढ़ी थी। बरसों तक 'आनंद बाजार पत्रिका' में रिपोर्टिंग करने वाले वरिष्ठ पत्रकार अजय विश्वास इसे देखते हुए कहते हैं- 'यही हावड़ा कभी औद्योगिक नगरी कहा जाता था। अब उसके नामोनिशान ही बचे हैं।' कभी नुक्कड़ पर बैटरी वाले माइक से ट्रेड यूनियन नेता बोलते थे और देखते ही देखते सैकड़ों लोग जमा हो जाते थे। अब वह राजनीतिक श्रमिक संस्कृति लगभग गायब है। यानी बंगाल बदला है, लेकिन हर बदलाव विकास नहीं होता। कुछ बदलाव आधुनिकता लेकर आए हैं, तो कुछ बदलाव पुराने आर्थिक ढांचे के खत्म होने की कहानी भी कहते हैं।

पुराने कोलकाता के बड़े बाजार इलाके में आज भी वही रेलमपेल है। कारोबार की पुरानी रफ्तार कायम है, लेकिन सत्ता और राजनीति की पुरानी इमारतों की चमक फीकी पड़ चुकी है। कभी बंगाल की सत्ता का प्रतीक रही राइटर्स बिल्डिंग आज सक्रिय सत्ता-केंद्र नहीं है। यहां खड़े होकर लगता है कि बंगाल ने केवल सरकार नहीं बदली है, सत्ता का दृश्य भी बदल रहा है। ...जारी

न्यूज विंडो

होर्मुज के पास ईरान के कमर्शियल जहाज पर हमला, एक की मौत

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष के बीच अब एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दक्षिणी ईरान के तट के पास एक ईरानी कमर्शियल जहाज पर हमला हुआ है। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। ईरानी सरकारी मीडिया ने केश्म काउंटी के गवर्नर के हवाले से इस घटना की पुष्टि की है। बता दें कितड़के दक्षिणी ईरान के पास फारस की खाड़ी में स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण केश्म द्वीप के पास यह हमला हुआ। ईरानी कमर्शियल जहाज को अचानक निशाना बनाया गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई।

पंजाबी गायक गुलाब सिद्धू के घर पर अंधाधुंध फायरिंग, दहशत में परिवार

बरनाला। प्रसिद्ध पंजाबी गायक गुलाब सिद्धू के गांव फरवाही स्थित घर पर देर रात मोटरसाइकिल सवार नकाबपोशों द्वारा फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के समय सिंगर का पूरा परिवार घर के अंदर ही मौजूद था, जबकि गुलाब सिंद्धू काम के सिलसिले में बाहर थे। पुलिस घटनाक्रम की जांच में जुट गई हैं, साथ ही ये खबर भी है कि गैंगस्टर डोली बल्ल ने फायरिंग की जिम्मेवारी ली है। अच्छी बात ये रही ही हमले में किसी को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

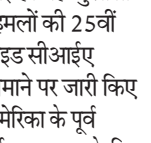

ममता बनर्जी को बागियों का ऑफर- नंदीग्राम से उपचुनाव लड़ें

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी गुट ने कहा है कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव लड़ती हैं तो वह अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। ऋतब्रत ने कहा कि वे ममता को विधानसभा में वापस देखना चाहते हैं और नंदीग्राम से उनका चुनाव लड़ना बेहतर होगा।ऋतब्रत ने बताया कि उनके गुट ने उपचुनाव के लिए उम्मीदवार लगभग तय कर लिया है, लेकिन ममता के चुनाव लड़ने की स्थिति में नाम वापस ले लिया जाएगा।

सीआईए का खुलासा: 9/11 से पहले लादेन की हिट लिस्ट में था भारत

वाशिंगटन। ओसामा बिन लादेन 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में हुए आतंकी हमलों से कई साल पहले भारत में हमले करने पर विचार कर रहा था। 1998 की एक अवर्गीकृत सीआईए खुफिया रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है। यह खुलासा 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों की 25वीं बरसी के मौके पर अनक्लासिफाइड सीआईए राष्ट्रपति ब्रीफिंग सामग्री के बड़े पैमाने पर जारी किए जाने का हिस्सा है। सीआईए ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपतियों बिल क्लिंटन और जॉर्ज डब्ल्यू बुश के लिए तैयार की गई दर्जनों खुफिया ब्रीफिंग से संबंधित 100 से अधिक पन्नों की सामग्री जारी की है।

आज का कार्टून

ब्रिक्स समिट का दूसरा दिन... किसानों के लिए नए अवसर पैदा करेगा नेटवर्क

दुनिया में बढ़ते तनाव का आम लोगों की जिंदगी पर बुरा असर: पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिक्स सम्मेलन के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया में बढ़ते तनाव का आम लोगों की जिंदगी पर काफी बुरा असर पड़ रहा है। साथ ही पीएम ने बताया कि संक्रामक बीमारियों की रोकथाम और उनसे निपटने के लिए ब्रिक्स अर्ली वॉर्निंग सिस्टम पर सहमति बन गई है। उन्होंने आगे कहा कि ब्रिक्स में ग्लोबल साउथ का भरोसा बढ़ा है। आज दूसरे दिन हो रहे ओपन सेशन का थीम 'रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी: शेपिंग द फ्यूचर फॉर इनक्लूसिव ग्लोबल ग्रोथ' रखा गया है। इसका मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों के बीच नवाचार, आर्थिक लचीलेपन और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है।

रूस, चीन, यूएई समेत कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी में पीएम ने मीडिया को संबोधित करते हुए कई अहम बातें कहीं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि महामारी, जलवायु आपदाओं और सप्लाई चेन में रुकावटों ने दिखाया है कि आज दुनिया के देश एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। ऐसे में किसी एक जगह आने वाला संकट दूसरे देशों को भी प्रभावित करता है। इस दौरान दुनिया में चल रहे तनाव से लेकर भविष्य में आने वाले चुनौतियों पर भी उन्होंने चर्चा की। मोदी ने कहा कि डिजिटल कृषि पर आधारित ब्रिक्स नेटवर्क किसानों के लिए नए अवसर पैदा करेगा। इस पहल के माध्यम से एआई, जियोस्पेशियल तकनीक और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को किसानों की वास्तविक जरूरतों के साथ जोड़ा जाएगा। तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों का हथियार के रूप में इस्तेमाल हमारी साझा प्रगति में बाधा बन सकता है। इसलिए, हमने तकनीक को अपनाने में समावेशिता पर जोर दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिक्स लॉजिस्टिक सप्लाई चेन कोऑपरेशन फ्रेमवर्क हमारी सप्लाई चेन को अधिक विश्वसनीय और लचीला बनाने में मदद करेगा। इनोवेशन के तहत, ब्रिक्स इनक्यूबेटर नेटवर्क हमारे स्टार्टअप्स और इनक्यूबेटर्स को जोड़ेगा। हमने नवोन्मेषी और बड़े स्तर पर अपनाए जाने वाले समाधानों को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड का प्रस्ताव रखा है। भारत की अध्यक्षता में हमने चार स्तंभों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया है। लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता। मुझे खुशी है कि आपके सहयोग और समर्थन से हम अपनी साझा सोच को ऐसे सहयोग में बदल पाए हैं जिससे सभी को फायदा हो।

विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विकल्प नहीं, पूरक हैं

दुनिया के शीर्ष नेताओं के साथ फैमिली फोटो। इसमें पीएम मोदी के साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और दक्षिण अफ्रीका, ईरान व मिस्र के राष्ट्राध्यक्ष एक ही मंच पर नजर आए।

राहुल-प्रियंका से मिले मलेशियाई प्रधानमंत्री

कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात की। दिल्ली में हुई यह मुलाकात नाश्ते के दौरान हुई। कांग्रेस ने बैठक की तस्वीरें भी साझा कीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बातचीत में भारत-मलेशिया संबंधों सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अनवर इब्राहिम से द्विपक्षीय बातचीत की थी।

सुपर संडे

एशिया कप : विजय रथ पर सवार भारत-श्रीलंका का फाइनल आज

दुबई, एजेंसी। महिला एशिया कप का खिताबी मुकाबला आज भारत और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रात 8 बजे से शुरू होगा। पिछले एशिया कप फाइनल भी दोनों टीमें भिड़ी थीं, तब श्रीलंका ने खिताब अपने नाम किया था। भारत इस टूर्नामेंट में अब तक नहीं हारा है। टीम ने ग्रुप स्टेज में थाईलैंड, हॉन्गकॉन्ग और पाकिस्तान को हराया। फिर सेमीफाइनल में बांग्लादेश को शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरी ओर श्रीलंका भी टूर्नामेंट में अजेय रहा है।

टी-20: भारत-अफगान का पहला मैच

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच आज अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच का प्रसारण रात 8 बजे किया जाएगा। इस पूरी सीरीज की मेजबानी अफगानिस्तान कर रहा है।

यूएस ओपन : शेल्टन और ज्वेरेव के बीच खिताबी मुकाबला

न्यूयॉर्क। यूएस ओपन 2026 मेंस सिंगल्स का फाइनल मुकाबला आज जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव और अमेरिका के बेन शेल्टन के बीच खेला जाएगा। आज रात भारतीय समयानुसार 11:30 बजे से मुकाबला न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में होगा। टूर्नामेंट से आज एक नया मेंस सिंगल्स चैंपियन मिलेगा।

आज जारी हो रही लाडली बहना की 40वीं किस्त महिलाओं के खाते में आएंगे 1,835 करोड़ रुपये

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज आगर-मालवा से 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की सितंबर माह की 40वीं किस्त का जारी कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रदेश की करीब 1.25 करोड़ पात्र महिलाओं के बैंक खातों में लगभग 1,835 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता सीधे ट्रांसफर की जा रही जाएगी।

साथ ही राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री आगर-मालवा जिले के विकास के लिए भी बड़ी सौगातें देंगे। वे 225 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले कुल 33 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इसके साथ ही 28 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 17 विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया जा रहा है।

इंडोनेशिया: जावा सागर में लापता हुए यात्री जहाज से 103 लोगों को बचाया गया, एक की मौत, रेस्क्यू जारी

जकार्ता, एह्यह्यजेंसी

इंडोनेशिया में 243 लोगों को लेकर जा रहा एक यात्री जहाज का रविवार को जावा सागर में संपर्क टूट गया। विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा के सुराबाया से बोर्नियो द्वीप के बंजारमासिन जा रहा था। अधिकारियों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। रेस्क्यू एजेंसी के मुताबिक, 103 लोगों को अलग-अलग जहाजों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इनमें से एक की मौत हो गई। अब 140 लोगों की तलाश की जा रही है। रेस्क्यू टीम ने जहाज की आखिरी लोकेशन की ओर कई जहाज और एक हेलिकॉप्टर भेजा है। जहाज में सफर के दौरान कम्युनिकेशन फेलियर हुआ था। इसके बाद उससे संपर्क नहीं हो सका। जहाज की आखिरी लोकेशन जावा सागर में बंजारमासिन के एक पियर से करीब 148 किलोमीटर दूर मिली है।

कसौटी पर खिलाड़ियों की फिटनेस और टीम का फिजियो प्रबंधन

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज पर चर्चा मैदान से ज्यादा भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस और उनके प्रबंधन को लेकर है। पिछले कुछ समय से टीम के अहम खिलाड़ियों की चोट और उनकी फिटनेस को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज टीम इंडिया के लिए फिटनेस और फिजियो मैनेजमेंट की भी बड़ी परीक्षा है। आमतौर पर वर्कलोड मैनेजमेंट को ध्यान में रखते हुए टीम इंडिया का अफगानिस्तान जैसी टीम के खिलाफ अपनी सबसे दमदार यूनिट के साथ उतरना सामान्य नहीं लगता,लेकिन मौजूदा हालात के कारण टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं ने इस बार अलग रणनीति अपनाई है। इसके पीछे असल वजह यही है कि अब सवाल केवल खिलाड़ियों की फिटनेस पर नहीं, बल्कि बेंगलुरु स्थित एनसीए की कार्यप्रणाली,रिहैबिलिटेशन और फिजियो मैनेजमेंट पर भी उठने लगे हैं।

पिछले कुछ समय में कई अहम खिलाड़ियों की चोट और मैदान पर वापसी में लगने वाले समय ने बोर्ड की नीतियों को भी सवालों के कटघरे में खड़ा किया है। ऐसे में सिर्फ क्रिकेटरों की जिम्मेदारी तय करने के बजाय पूरी व्यवस्था की भी समीक्षा जरूरी है। प्रमुख खिलाड़ियों की फिट होकर वापसी को भविष्य के लिहाज से सकारात्मक संकेत माना जा सकता है। अफगानिस्तान सीरीज से पहले जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर और नीतिश रेड्डी फिट होकर टीम के लिए उपलब्ध हैं। वहीं हार्दिक पंड्या को भी इसी महीने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली इंडिया ए की टीम में शामिल किया गया है। ऐसे में हर्षित राणा को छोड़कर फिलहाल प्रमुख खिलाड़ियों में कोई बड़ा नाम अनफिट नजर नहीं आता।

पिछले कुछ समय में कई बार ऐसा देखने को मिला है कि खिलाड़ियों का चयन तो टीम में हो जाता है,लेकिन चोट के कारण वे मैदान पर उतरने से पहले ही बाहर हो जाते हैं। इसी वजह से लंबे समय बाद जब टीम इंडिया के लगभग सभी प्रमुख और अनुभवी खिलाड़ी फिट घोषित हुए हैं, तो फिर असल सवाल यही है कि क्या ये खिलाड़ी मैदान पर भी लंबे समय तक अपनी फिटनेस बरकरार रख पाएंगे? यही कारण है कि अफगानिस्तान के खिलाफ यह सीरीज खिलाड़ियों की फिटनेस की कसौटी पर भी देखी जाएगी। टीम इंडिया को इसके बाद लगातार क्रिकेट खेलना है। फॉर्मेट चाहे कोई भी हो, जिन खिलाड़ियों का चोटों से पुराना नाता रहा है, उन पर क्रिकेट विशेषज्ञों के साथ-साथ प्रशंसकों की नजरें भी टिकी रहेंगी। भले ही खिलाड़ियों की फिटनेस बनाए रखने की पहली जिम्मेदारी निश्चित तौर पर खुद खिलाड़ी की होती है, लेकिन जब जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या जैसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों की चोट का सीधा असर टीम के प्रदर्शन और रणनीति पर दिखाई देने लगे, तो टीम मैनेजमेंट, मेडिकल स्टाफ और फिजियो की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती है।

टीम की रणनीति, संतुलन और प्रदर्शन

खिलाड़ियों की फिटनेस केवल मैदान पर उनकी उपलब्धता का विषय नहीं है, बल्कि यह पूरी टीम की रणनीति, संतुलन और प्रदर्शन से जुड़ा मामला है। एक प्रमुख खिलाड़ी की लंबी अनुपस्थिति न केवल टीम कॉम्बिनेशन बिगाड़ती है, बल्कि उसकी जगह लेने वाले खिलाड़ी पर भी अतिरिक्त दबाव डालती है। ऐसे में टीम इंडिया के फिजियो कमलेश जैन के इस्तीफे की पेशकश के बाद उठे सवालों ने फिटनेस मैनेजमेंट की चर्चा को और गंभीर बना दिया है। मतलब साफ है कि दो फॉर्मेट की वर्ल्ड चैंपियन टीम के सामने चुनौती केवल विपक्षी टीमों को हराने की नहीं, बल्कि सभी खिलाड़ियों को लगातार उपलब्ध और फिट बनाए रखने की भी है ।अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में टीम इंडिया कितने मैच जीतती है,यह तो मैदान पर तय होगा,लेकिन मेरे नजरिये में सीरीज की सबसे बड़ी परीक्षा खिलाड़ियों की फिटनेस ही होगी। देखना यह भी है कि जो खिलाड़ी आज फिट घोषित किए गए हैं, क्या वे आने वाले व्यस्त क्रिकेट कैलेंडर में भी इसे मेंटेन रख पाएंगे।

झांकियों में कहीं दशावतार में बप्पा की प्रतिमा तो कहीं पूरा शिव परिवार, कहीं लालबागचा राजा तो कहीं नटखट बाल गणेश के दर्शन

गणेश प्रतिमाओं से सजा शहर, चांदी के सिंहासन पर विराजेंगे 'भोपाल के राजा'

भोपाल। गणेश उत्सव को लेकर राजधानी में तैयारियां अब अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। गणेश प्रतिमाओं की खरीद और उन्हें पंडालों तक पहुंचाने का सिलसिला तेज हो गया है। विशाल और आकर्षक प्रतिमाओं को विशेष वाहनों से सावधानीपूर्वक शहर के अलग-अलग इलाकों में बनाए जा रहे झांकी पंडालों तक पहुंचाया जा रहा है। प्रतिमाओं के साथ निकलते वाहनों से सड़कों पर भी उत्सवी माहौल नजर आने लगा है। भगवान की गणेश की मूर्तियों में इस बार कहीं पूरा शिव परिवार नजर आ रहा है तो कहीं नटखट बाल गणेश के दर्शन हो रहे हैं। खास यह है कि पुराने शहर के पीपल चौक पर इस बार गणेश प्रतिमा का 80वां साल है। यहां चांदी के सिंहासन पर भोपाल के राजा विराजेंगे।

लालबागचा राजा की थीम

मूर्तिकार सुजीत यादव के अनुसार, हर साल की तरह इस बार भी बड़े झांकी पंडालों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई गणेश प्रतिमाएं तैयार की गई हैं। इस बार 'लालबागचा राजा' समेत कई आकर्षक थीम खास आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

छप्पन भोग, होली व फल महोत्सव

आयोजन समिति के सदस्यों के अनुसार पीपल चौक पर विराजने वाले भगवान गणेश की इस बार स्थापना का 80वां वर्ष है। ऐसे में उत्सव को विशेष स्वरूप दिया जा रहा है। भजन-कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम भी होंगे। 17 सितंबर को दीप उत्सव, 18 सितंबर को होली उत्सव, 19 सितंबर को भगवान गणेश को छप्पन भोग और 20 सितंबर को फल महोत्सव का आयोजन होगा।

न्यूज विंडो

आरटीओ अमले ने की 17 बसों की जांच, दो जब्त, दो की फिटनेस रद्द

भोपाल। आरटीओ की टीम ने नादरा बस स्टैंड और लालघाटी क्षेत्र में यात्री बसों के खिलाफ जांच अभियान चलाया। शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक चले अभियान में करीब 17 बसों की जांच की गई। इस दौरान यात्रियों की सुरक्षा और बसों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का विशेष रूप से निरीक्षण किया गया। जांच में यात्री बस का बीमा नहीं होने पर उसे जब्त किया गया। वहीं, एमपी 20 डीए 2268 को परमिट शर्तों के उल्लंघन के कारण जब्त किया गया। एमपी 04 जेडजे 9007 और एमपी 05 पी 0396 में आपातकालीन द्वार बंद पाए जाने पर दोनों बसों की फिटनेस निरस्त कर दी गई। आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि टीम ने दो अन्य यात्री बसों के खिलाफ भी कार्रवाई की। इन मामलों में कुल 12 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया गया।

शाहजहानाबाद में आधी रात दो गैंग में टकराव, तलवार से हमला

भोपाल। शाहजहानाबाद में शुक्रवार-शनिवार की रात बदमाश भूरा हड्डी और गैंग ने उत्पात मचाया। बदमाश गुंडा लिस्ट में शामिल अरशद बब्बा के घर पहुंचे। दरवाजा खुलते ही भूरा ने तलवार से हमला कर दिया। अरशद के हाथ में चोट आई है। एसआई शेषनाथ सिंह के मुताबिक मदर इंडिया कॉलोनी निवासी अरशद बब्बा पर एक दर्जन अपराध दर्ज हैं। भूरा हड्डी ने साथियों तौफीक शूटर, माया बच्चा उर्फ लक्ष्मण, मन्नू, फैजल, शमीम, आदिल, अड्डू, टिंकल और अन्य के साथ मिलकर हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी अंकित, विशाल कनाडे, मोहित भूमार के अलावा तोफिक खान को गिरफ्तार कर कट्टा, दो कारतूस व छुरी जब्त की है।

एनसीटीई कोर्सों में ऑनलाइन पंजीयन का आज आखिरी दिन

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में संचालित राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से संबंधित कोर्सों में एडमिशन के लिए तीसरा एवं अंतिम राउंड शुक्रवार से शुरू किया है। इसकी समय-सारणी जारी कर दी गई है। समय-सारणी के अनुसार ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन का रविवार को अंतिम दिन है। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 15 सितंबर तक किया जाएगा। इसके पश्चात 16 सितंबर को मेरिट सूची प्रकाशित की जाएगी। 17 सितंबर को सीटों का आवंटन किया जाएगा।

सावधान! चालान के मैसेज आएं तो देखें कि जहां आपने नियम तोड़े, उसका जिक्र है या नहीं

ट्रैफिक चालान की फर्जी वेबसाइट्स से ठगी, 12 से अधिक लोगों से धोखा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

साइबर अपराधियों ने अब वाहन चालकों को चूना लगाने के लिए एक नया और खतरनाक तरीका खोज निकाला है। शहर में फर्जी ट्रैफिक चालान वेबसाइट्स और संदेशों के जरिए साइबर धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। फर्जी ट्रैफिक चालान का लिंक भेजकर साइबर ठग लोगों के बैंक खातों में सेंध लगा रहे हैं। वे राजधानी भोपाल समेत पूरे प्रदेश में वाहन मालिकों को निशाना बना रहे हैं। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, तीन माह में ही सिर्फ भोपाल शहर में ऐसे 12 मामले सामने आ चुके हैं। वे लोगों को ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन का हवाला देकर एसएमएस, व्हाट्सऐप और ई-मेल से फर्जी वेबसाइट्स के लिंक भेज रहे हैं। इस पर उन्हें चालान भरने के लिए कहा जा रहा है। जैसे ही लोग वेबसाइट्स के लिंक पर क्लिक करते हैं। उनके बैंक खाते से रुपए कटने लगते हैं। ट्रैफिक एसीपी विजय कुमार दुबे ने भी इस तरह के फर्जी वेबसाइट्स की पुष्टि की है। उन्होंने ऐसे मैसेज या लिंक पर क्लिक न करने की अपील की है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक बसंत कुमार कौल का कहना है कि ऐसे मैसेज से बिल्कुल भी नहीं डरें। विभाग में संपर्क सत्यता की जांच कर लें, तब भुगतान करें।

इन दो मामलों से समझें धोखाधड़ी

ये बाल-बाल बचे

कोलार गेहूंखेड़ा के रोशन लाल के पास ई-चालान भुगतान का मैसेज आया। इसमें एक लिंक दिया गया था। भुगतान करने से पहले रोशन लाल ने समझदारी दिखाई। उन्होंने पूर्व परिचित एसीपी ट्रैफिक विजय दुबे से संपर्क किया।एसीपी दुबे ने उन्हें लिंक की सत्यता जांचने की सलाह दी। जांच करने पर पता चला कि भेजा गया लिंक फर्जी और धोखाधड़ी वाला था। रोशनलाल बड़े नुकसान से बच गए।

..और ये ठगी गई

बागसेवनिया की रहने वाली आशा तिवारी कामकाजी महिला हैं। उन्हें भी ऐसा ही फर्जी लिंक मिला। इसमें बताया गया कि उनका चालान लंबित है। आशा ने लिंक के जरिए 5,000 का भुगतान कर दिया। बाद में उन्हें पता चला कि वे ठगी का शिकार हो गई हैं। साइबर पुलिस में शिकायत की। साइबर पुलिस का कहना है कि ऐसे मामलों में ठगी की राशि छोटी होती है, इसलिए ज्यादातर शिकायतें नहीं करते।

डर और जल्दबाजी दिखाकर करते हैं ठगी

साइबर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह धोखाधड़ी आमतौर पर एक एसएमएस , व्हाट्सऐप संदेश या ईमेल से शुरू होती है। इसमें प्राप्तकर्ता को सूचित किया जाता है कि उसका ट्रैफिक जुर्माना पेंडिंग (लंबित) है। संदेश में एक भुगतान लिंक शामिल होता है जो एक फर्जी वेबसाइट पर ले जाता है। यह फर्जी वेबसाइट बिल्कुल आधिकारिक सरकारी पोर्टल जैसी दिखाई देती है। जैसे ही पीड़ित लिंक पर क्लिक कर बैंकिंग जानकारी, कार्ड विवरण या अन्य व्यक्तिगत डेटा दर्ज करता है। ठग ऐसी जानकारियों का इस्तेमाल कर उनके खाते से रुपए उड़ा लेता है। साइबर ठग लोगों में डर और जल्दबाजी की भावना पैदा करने के लिए मैसेज में कई तरह की चेतावनी भी देते हैं।

असली और नकली पोर्टल ऐसे पहचानें

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक बसंत कौल ने कहा, भुगतान से पहले वेबसाइट का पता और डोमेन ध्यान से जांच लें।

असली वेबसाइट पहचानें: आधिकारिक सरकारी वेबसाइटों में हमेशा .gov.in डोमेन का उपयोग किया जाता है। प्रामाणिक चालान संदेश केवल मान्यता प्राप्त प्रेषक आईडी जैसे VK-VAAHAN, AD-TRAFIC से आते हैं। इसके अलावा, असली चालान में हमेशा चालान नंबर, वाहन संख्या और ट्रैफिक नियम उल्लंघन का स्थान स्पष्ट होता है।

फर्जी साइटों से बचें: धोखाधड़ी वाली वेबसाइट्स अक्सर .in, .com, .online या .net जैसे डोमेन का उपयोग करती हैं। फर्जी चालान में अक्सर चालान नंबर या वाहन का विवरण गायब रहता है।

ऐसे मैसेज से डराते हैं साइबर ठग

Pending challan detected (लंबित चालान पाया गया)

'Pay immediately to avoid licence suspension' (ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन से बचने के लिए तुरंत भुगतान करें)

'Court notice issued for non-payment' (भुगतान न करने पर अदालती नोटिस जारी)

पिपलानी में सेक्स रैकेट पकड़ाया

'पिंक स्पा सेंटर' पर छापा, 10 युवतियां और 12 युवक गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित पिंक स्पा सेंटर में शनिवार देर रात पुलिस ने छापा मारकर 22 लोगों को पकड़ा है। इनमें 10 युवतियां और 12 युवक शामिल हैं। पुलिस टीम ने सीधे स्पा सेंटर पहुंचकर दबिश दी तो मौके से कई तरह की संदिग्ध गतिविधियां मिलने के साथ ही आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई। स्पा सेंटर में देह व्यापार संचालित किए जाने की सूचना पर पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के निर्देश पर कार्रवाई की गई। खास बात यह रही कि स्थानीय थाना पुलिस को कार्रवाई से पहले इसकी जानकारी नहीं दी गई थी। पुलिस का कहना है कि गिरोह ने बड़ी ही शातिराना अंदाज में इसमें प्रवेश के नियम तय किए थे।

प्रवेश के लिए 500 रुपए की लगाई थी फीस

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि सेंटर में प्रवेश के लिए 500 रुपए शुल्क लिया जाता था। इसके बाद युवतियों से अलग से सौदा किए जाने की बात पुलिस के सामने आई है। फिलहाल पकड़े गए युवक-युवतियों से पूछताछ जारी है। पुलिस अब स्पा सेंटर की अनुमति, संचालन से जुड़े दस्तावेज, कर्मचारियों और वहां संचालित गतिविधियों की जांच कर रही है। पुलिस पता कर रही है कि स्पा सेंटर में ये लड़कियां कहां से लाई गई थी। इसके साथ ही अन्य सेंटरों पर भी दबिश देने की तैयारी कर रही है।

नीलबड़ से लगे रसूलिया भानपुर गांव में आबकारी विभाग की कार्रवाई

घर में मिली भट्ठी, सड़क किनारे महिला बेच रही थी शराब

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सागर में जहरीली शराब से हुई 39 मौतों के बाद राजधानी भोपाल में भी आबकारी विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। विभागीय अफसरों ने अवैध शराब के ठिकानों पर छापेमारी शुरू की है। इसी कड़ी में नीलबड़ क्षेत्र से सटे गांव रसूलिया भानपुर में आबकारी विभाग की टीम ने दबिश दी। तो एक घर में शराब बनाने की भट्ठी मिली। बड़े पैमाने पर अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाला महुआ, लाहन और अन्य सामग्री मिली है। टीम ने आबकारी अधिनियम में दो केस दर्ज किए हैं।

वहीं, बैरसिया रोड स्थित तरावली जोड़ पर सड़क किनारे ही पन्नियों में शराब बेचते महिला मिली। उसने टीम को देखा तो भागने लगी। हालांकि एक अन्य टीम ने बैरसिया के तरावली जोड़ से 15 लीटर अवैध शराब शराब जब्त की है। इसे भी महिला रोड किनारे बेचने में जुटी थी। इस दौरान शनिवार देर रात में नगर निगम की टीम ने शराब दुकान के बाहर चल रहे अहाते पर कार्रवाई की। सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र धाकड़ के आदेश के बाद कंट्रोलर आरजी भदौरिया के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। सहायक आयुक्त आबकारी धाकड़ ने बताया, अवैध शराब के निर्माण-बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए टीमें लगाई हैं।

वाइन शॉप पर जुर्माना

विजय नगर चांदबड़ में वाइन शॉप पर कार्रवाई नगर निगम ने शनिवार रात विजयनगर चांदबड़ स्थित वाइन शॉप पर कार्रवाई की। लाइसेंसी वाइन शॉप में अहाता बनाकर शराब पिला रहा था। रहवासियों की शिकायत के बाद पुलिस-नगर निगम ने कार्रवाई की। शॉप संचालक पर 15 हजार रुपए का जुर्माना किया गया।

शराब बेच रही महिला ने टीम को देखा तो भाग निकली

इंदौर में पहले ही दो की हो चुकी है मौत

भोपाल में स्वाइन फ्लू से पहली मौत, मरीज बढ़कर 65 हुए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

इंदौर में उज्जैन के दो मरीजों की स्वाइन फ्लू से मौत के बाद अब राजधानी भोपाल में भी स्वाइन फ्लू से पहली मौत हुई है। शनिवार को 80 वर्षीय बुजुर्ग राम सिंह ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसके साथ ही शहर में इस साल एच1एन1 से मौत का पहला मामला सामने आया है। संक्रमण भी लगातार बढ़ रहा है। दो दिन पहले 57 मरीज थे, शनिवार को यह संख्या बढ़कर 65 हो गई। यानी 48 घंटे में 8 नए मरीज मिले हैं।

323 सैंपल जांचे

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, ओल्ड मिनाल रेसीडेंसी निवासी बुजुर्ग को इन्फ्लूएंजा ए (एच1एन1) संक्रमण के कारण गंभीर रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम और एक्यूट रेस्पिरेटरी फेलियर हुआ था। उन्हें पहले से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और टाइप-2 डायबिटीज थी। भोपाल में अब तक 232 संदिग्ध सैंपलों की जांच हो चुकी है। इनमें सितंबर में 43 मरीज पॉजिटिव मिले हैं।

नगर निगम की कवायद

गणेशोत्सव में इस बार स्वच्छता की पहल, जीरो वेस्ट पंडालों को पुरस्कार

भोपाल। गणेश उत्सव में इस बार सजावट के साथ स्वच्छता पर भी जोर रहेगा। नगर निगम ने उत्सव को 'स्वच्छोत्सव' और जीरो वेस्ट के रूप में मनाने की तैयारी की है। इसके तहत सबसे साफ-सुथरे और जीरो वेस्ट तरीके से झांकी संचालित करने वाली पांच समितियों तथा इसी तरह भंडारा आयोजित करने वाली 5 समितियों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार के साथ दो-दो सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

महापौर मालती राय ने निगम मुख्यालय में गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर अपील की कि उत्सव के दौरान कचरा कम से कम हो और सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल पूरी तरह बंद किया जाए। कहा, स्वच्छता से ही पवित्रता है, इसलिए गणेश उत्सव को स्वच्छता के साथ मनाया जाए।

हर झांकी पर दो डस्टबिन: निगम स्वास्थ्य विभाग को सभी झांकी समितियों के यहां दो डस्टबिन रखने और 'गणपति बप्पा का संदेश, स्वच्छ वसुंधरा, स्वच्छ भारत देश' संदेश वाला बैनर लगाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं, सभी समितियों का पंजीयन भी कराया जाएगा। निगम ने विसर्जन के दौरान लगने वाले भंडारों में भी सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने को कहा है।

मेट्रो एंकर | ट्रिब्यूनल ने राज्य सरकार, प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड और नगर निगम से जवाब किए तलब

घनी बस्तियों में चल रहीं 50 अवैध प्लास्टिक बनाने वाली फैक्ट्रियां लोगों की जान को जोखिम में डाला, अब एनजीटी ने मांगा जवाब

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में लगभग 50 अवैध प्लास्टिक फैक्ट्रियों के संचालन से करीब 2 लाख निवासियों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर मंडरा रहे गंभीर खतरे पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी ने स्वतः संज्ञान लिया है। एनजीटी ने मध्य प्रदेश सरकार, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और भोपाल नगर निगम से जवाब तलब किया है। अनिल वर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए ट्रिब्यूनल ने अधिकारियों को 2 से 3 सप्ताह के के अंदर जवाब तलब किया है।

कबाड़ खाना बना प्लास्टिक रीसायक्लिंग का बड़ा केंद्र

पारंपरिक रूप से इस्तेमाल किए गए स्पेयर पार्ट्स के बाजार के रूप में जाना जाने वाला कबाड़ खाना इलाका अब अवैध प्लास्टिक रीसायक्लिंग का मुख्य हब बन चुका है। इसकी तंग और संकरी गलियों में 50 से अधिक इकाइयां अवैध रूप से चल रही हैं, जहां प्लास्टिक कचरे को प्रोसेस करके दाने में बदला जाता है। घनी आबादी वाले क्षेत्र में ये संचालन खतरनाक हैं। गर्मियों में यहां हफ्ते में कम से कम दो बार छोटी-बड़ी आग लगने की घटनाएं होती हैं। गलियां इतनी संकरी हैं कि फायर ब्रिगेड (दमकल की गाड़ियों) भी नहीं जा पातीं।

शहर में ऐसी है प्रदूषण की हालत

मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, इस क्षेत्र में पीएम 10 का स्तर 225 से 250 तक पहुंच गया है। यह शहर में दर्ज सबसे अधिक स्तरों में से एक है। इसके अलावा, धातुओं को निकालने के लिए खुले में ई-कचरे को जलाया जा रहा है, जिससे वायुमंडल में बेहद जहरीली गैसें घुल रही हैं।

हालांकि साल 2022 से सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, लेकिन ज़मीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। आदमपुर कचरा डंप साइट पर रोजाना लगभग 10 से 12 टन प्लास्टिक कचरा पहुंच रहा है। उतना ही प्लास्टिक कचरा कबाड़ियों के ज़रिए रीसायक्लिंग के लिए कबाड़ खाना भेजा जा रहा है।

भोपाल नगर निगम ने इस क्षेत्र में लगभग 800 प्लॉट्स का आवंटन किया है, लेकिन नगर निगम के पास इसका कोई रिकॉर्ड या डेटा ही नहीं है कि किस प्लॉट पर कौन सा व्यवसाय चल रहा है। बता दें, लीज़ रेंट (पट्टे का किराया) न चुकाने के कारण लगभग 70 प्लॉट्स का आवंटन रद्द करने की फाइलें लंबित पड़ी हुई हैं।

भोपाल में मूंग के दाम को लेकर हुए आंदोलन के बाद सरकार सख्त

कलेक्टरों के तबादले पर बनी सहमति, पुलिस अधीक्षकों को लेकर फंसा है पेच

10 जिलों के कलेक्टर-एसपी पर गाज गिराने की तैयारी!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में करीब डेढ़ महीने पहले हुए किसान आंदोलन का असर अब भी प्रशासनिक गलियारों में दिखाई दे रहा है। मूंग के दाम बढ़ाने की मांग को लेकर हुए आंदोलन के दौरान राजधानी में दो दिनों तक बनी अव्यवस्था के लिए आसपास के जिलों के प्रशासन को जिम्मेदार माना जा रहा है। अब सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, भोपाल, हरदा, नरसिंहपुर समेत आसपास के करीब 10 जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है।

28 से 30 जुलाई तक चला था आंदोलन

मूंग के उचित दाम की मांग को लेकर 28 से 30 जुलाई के बीच हजारों किसान भोपाल पहुंच गए थे। बड़ी संख्या में किसानों के राजधानी आने से नर्मदापुरम मार्ग समेत आसपास की प्रमुख सड़कों पर भारी जाम लग गया था। आम लोगों को दो दिनों तक आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आंदोलन के बाद कई वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों ने इसे प्रशासन की नीतिगत चूक माना था। सरकार ने आंदोलन के दौरान हालात संभालने में प्रशासन की भूमिका की समीक्षा शुरू की। इसमें पाया गया कि आंदोलन में सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, रायसेन, भोपाल और नरसिंहपुर सहित करीब 10 जिलों के किसान बड़ी संख्या में शामिल हुए थे। इसके बाद संबंधित जिलों के कुछ कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों की जिम्मेदारी तय करने की कवायद शुरू हुई।

डीजीपी मकवाना ने दर्ज कराई है आपत्ति

सूत्रों के अनुसार कुछ कलेक्टरों को हटाने पर सहमति बन चुकी है। हालांकि पुलिस अधीक्षकों को हटाने के प्रस्ताव पर मामला फिलहाल अटक गया है। बुधवार देर रात मुख्यमंत्री निवास में इस मुद्दे पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षकों के तबादले का प्रस्ताव भी रखा गया। बताया जा रहा है कि पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने संबंधित पुलिस अधीक्षकों को हटाने के प्रस्ताव पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। उनका तर्क था कि किसानों को रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने पूरी कोशिश की थी। पुलिस अधीक्षक वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का पालन कर रहे थे और उपलब्ध परिस्थितियों में पुलिस की ओर से कोई बड़ी कमी नहीं छोड़ी गई।

छह दिन पहले हुई थी बड़ी प्रशासनिक सर्जरी | प्रदेश में करीब छह दिन पहले ही 11 भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। मुख्यमंत्री के विदेश दौरे पर जाने से पहले यह प्रशासनिक बदलाव किया गया था। अब एक बार फिर कई कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों के तबादले को लेकर विचार शुरू होने से प्रशासनिक हलकों में हलचल बढ़ गई है।

डीजीपी के रुख से कलेक्टरों के तबादले भी अटके

पुलिस महानिदेशक के रुख के बाद फिलहाल संबंधित कलेक्टरों के तबादले भी अटक गए हैं। हालांकि सरकार के स्तर पर यह माना जा रहा है कि चिह्नित कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को कभी भी हटाया जा सकता है। आने वाले दिनों में इस संबंध में अंतिम निर्णय होने की संभावना है। एक तरफ सरकार आंदोलन के लिए जिम्मेदारी तय करने में जुटी है, तो दूसरी ओर किसानों को अपने पक्ष में बनाए रखने के लिए कई स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश में प्राकृतिक खेती, उद्यानिकी, पॉलीहाउस और मधुमक्खी पालन जैसे कृषि आधारित नवाचारों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है।

अन्नदाताओं को दी जा रही हैं आवश्यक सुविधाएं : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धरती पुत्र परिश्रम से फसल उगाते हैं, जो सभी को उपलब्ध होता है। अन्नदाता किसानों की समस्याओं को दूर कर उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली प्रवास के दौरान शनिवार को बलराम कृषि महोत्सव छतरपुर में वर्चुअल रूप से जुड़कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रगतिशील किसानों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड हीरों की धरती है। यहां की जमीन में हीरा निकलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले में होने वाली पिपरमेंट की खेती का भी जिक्र किया। साथ ही फर्नीचर की क्वालिटी को बेहतर बताया। छतरपुर जिले के किसानों को रबी सीजन की फसलों की नवीनतम तकनीक, उन्नत कृषि पद्धतियों एवं आधुनिक कृषि संसाधनों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुए बलराम कृषि महोत्सव के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों ने दीप जलाकर किया। छतरपुर में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, प्रशासक अपेक्स बैंक डॉ. महेन्द्र सिंह यादव, प्रशासक सहकारिता श्री के.पी. सिंह, विधायक राजनगर श्री अरविंद पटेरिया उपस्थित थे।

'छात्रों की गूंज' में युवाओं का जोश

राहुल से पहले राघव चैतन्य लश-करी, वी.अनबिटेबल की होगी धमाकेदार प्रस्तुति

इंदौर, दोपहर मेट्रो

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर में होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को युवाओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनाने की तैयारी तेज हो गई है। विद्यार्थियों से राहुल गांधी के संवाद से पहले संगीत और नृत्य का विशेष कार्यक्रम रखा गया है। बॉलीवुड गायक राघव चैतन्य, इंदौर के चर्चित रैपर लश-करी और अमेरिका गॉट टैलेंट में अपनी पहचान बना चुके वी.अनबिटेबल ड्रीम टीम मंच पर प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम की शुरुआत गायक राघव चैतन्य की प्रस्तुति से होगी। इसके बाद लश-करी अपने रैप और हिप-हॉप संगीत से युवाओं को जोड़ेंगे। वहीं वी.अनबिटेबल ड्रीम टीम अपने ऊर्जावान नृत्य, कलाबाजी और रोमांचक करतबों से दर्शकों का मनोरंजन करेगी। कलाकारों की प्रस्तुतियों को ध्यान में रखते हुए मंच को विशेष रूप से तैयार किया जा रहा है।

कांग्रेस की योजना इन कलाकारों की लोकप्रियता और सामाजिक माध्यमों पर उनकी लोकप्रियता के जरिए युवाओं तक कार्यक्रम की पहुंच बढ़ाने की है। राघव चैतन्य के इंस्टाग्राम पर करीब 1.80 लाख, जबकि लश-करी के करीब 4.98 लाख अनुयायी बताए जा रहे हैं। वी.अनबिटेबल ड्रीम टीम भी अपने नृत्य और करतबों के लिए युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। कार्यक्रम के लिए क्षेत्रीय पार्क के सामने मैदान तय किया गया है। शुक्रवार को शहर कांग्रेस की ओर से इंदौर विकास प्राधिकरण में 10 लाख 8 हजार 175 रुपए जमा किए गए। इसके बाद तीन दिन के लिए मैदान आवंटित करने की मंजूरी मिली है।

युवाओं तक पहुंचने के लिए 32 क्षेत्रों में बांटा शहर

कार्यक्रम की तैयारियों के लिए राहुल गांधी की टीम के केवी बैजू सहित अन्य सदस्य दिल्ली से इंदौर पहुंचे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रभारी हरीश चौधरी और स्थानीय नेताओं के साथ बैठक कर प्रचार और भीड़ जुटाने की जिम्मेदारियां बांटी गईं। विद्यार्थी कांग्रेस ने युवाओं तक पहुंच बनाने के लिए इंदौर को 32 क्षेत्रों में बांटा है। प्रशिक्षण संस्थानों, पुस्तकालयों और स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को आमंत्रित किया जा रहा है। साथ ही उनसे यह भी पूछा जा रहा है कि वे किन मुद्दों को कार्यक्रम में उठाना चाहते हैं।

कोटा से पुणे तक हो चुका आयोजन

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में भी आयोजित हो चुका है। इन शहरों में भी कलाकारों ने प्रस्तुति देकर युवाओं को कार्यक्रम से जोड़ा था।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 13 सितंबर 2026

हां-ना का खेल

बच्चे को उलझन में डालते हैं पेरेंटिंग में उभरते मतभेद

एक सख्त और दूसरा नरम हो तो बच्चा नियम तोड़ना सीखता है

बच्चे की परवरिश में माता-पिता का उद्देश्य एक ही होता है। बच्चा अच्छा इंसान बने, जिम्मेदार बने और जीवन में सफल हो। लेकिन इस लक्ष्य तक पहुंचने का तरीका दोनों का अलग हो सकता है। एक माता-पिता मानते हैं कि बच्चे को गलती करने और उससे सीखने की आजादी मिलनी चाहिए, जबकि दूसरे अनुशासन और सख्ती को जरूरी मानते हैं। सोच का यह अंतर अपने आप में गलत नहीं है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह अंतर बच्चे के सामने अलग-अलग फैसलों और नियमों के रूप में दिखाई देने लगता है।

नौ साल की उम्र तक बच्चा इतना समझदार हो जाता है कि वह लोगों के व्यवहार का अंदाजा लगाने लगता है। उसे पता चलने लगता है कि किस बात पर किस माता-पिता से कैसी प्रतिक्रिया मिलेगी। ऐसे में यदि मां किसी बात के लिए मना करती है और पिता उसी बात पर हां कह देते हैं, तो बच्चा धीरे-धीरे इस पैटर्न को समझ लेता है। इसके बाद वह अपनी जरूरत या इच्छा पूरी करने के लिए सही नियम का पालन करने के बजाय सही व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश करने लगता है। यही स्थिति आगे चलकर 'पेरेंट शॉपिंग' जैसे व्यवहार में बदल सकती है।

अक्सर माता-पिता ऐसे व्यवहार को बच्चे की चालाकी मान लेते हैं। वास्तव में हर बार ऐसा नहीं होता। बच्चा वही तरीका दोहराता है, जिससे उसे अपनी बात पूरी होने की संभावना ज्यादा दिखाई देती है। अगर मां ने मोबाइल के लिए मना किया और पिता ने अनुमति दे दी, तो अगली बार बच्चा सीधे पिता के पास जा सकता है। यह उसके लिए एक तरह का सीखा हुआ व्यवहार बन जाता है। समस्या तब और बढ़ती है, जब माता-पिता बच्चे के सामने एक-दूसरे के फैसले बदलने लगते हैं। इससे बच्चे को यह संदेश जाता है कि घर के नियम स्थायी नहीं हैं। थोड़ी जिद, रोना, मनुहार या सही व्यक्ति के पास पहुंचकर नियम बदला जा सकता है।

बच्चे के मन तक पहुंचते हैं मतभेद

माता-पिता के बीच लगातार विरोध बच्चे के भावनात्मक माहौल को भी प्रभावित कर सकता है। बच्चा यदि बार-बार देखता है कि किसी विषय पर मां और पिता की राय अलग है, तो वह भ्रमित हो सकता है। खासकर तब, जब दोनों अपनी बात सही साबित करने के लिए बच्चे को बीच में ले आएं। कभी बच्चा अनजाने में एक माता-पिता की बात दूसरे तक पहुंचाने लगता है। कभी वह अपनी सुविधा के अनुसार किसी एक की बात का इस्तेमाल दूसरे के सामने करता है। इससे माता-पिता के बीच तनाव बढ़ता है और बच्चे को परिवार में स्पष्टता और स्थिरता का अनुभव कम हो सकता है।

इस समस्या का सबसे पहला हल बच्चे को बदलना नहीं, माता-पिता का आपस में बातचीत करना है। बच्चे से जुड़े महत्वपूर्ण नियम पहले आपस में तय किए जाएं। हर विषय पर पूरी सहमति जरूरी नहीं है, लेकिन बच्चे के सामने कौन-सा नियम लागू होगा, इस पर एक साझा फैसला होना चाहिए।

यदि किसी फैसले पर तत्काल सहमति नहीं बन रही है तो बच्चे के सामने बहस करने के बजाय उससे कहा जा सकता है कि इस विषय पर माता-पिता आपस में बात करेंगे और फिर निर्णय बताएंगे। इससे बच्चा यह समझता है कि उसके माता-पिता अलग-अलग व्यक्ति जरूर हैं, लेकिन परवरिश के मामले में एक टीम हैं।

एक सख्त और दूसरा नरम, दोनों नुकसान में

कई परिवारों में एक माता-पिता की भूमिका हमेशा डांटने वाले की और दूसरे की बच्चे को बचाने वाले की बन जाती है। शुरुआत में यह व्यवस्था सहज लग सकती है। बच्चा सख्ती से परेशान होकर दूसरे माता-पिता के पास चला जाता है और वहां उसे राहत मिल जाती है। लेकिन लंबे समय में बच्चा दोनों की भूमिकाएं पहचान लेता है।

इससे बच्चे में जिम्मेदारी लेने के बजाय बच निकलने की आदत विकसित हो सकती है। गलती होने पर वह यह सोच सकता है कि गलती क्यों हुई, इसके बजाय कौन उसका पक्ष लेगा। धीरे-धीरे नियमों के प्रति सम्मान कम हो सकता है और हर फैसले को बातचीत या दबाव से बदलने की कोशिश शुरू हो सकती है।

बच्चे के सामने फैसले को न काटें, अकेले में करें चर्चा

यदि एक माता-पिता ने किसी बात के लिए मना कर दिया है और दूसरे को लगता है कि यह फैसला बहुत सख्त है, तो उसी समय बच्चे के सामने निर्णय बदल देना उचित नहीं है। बाद में अकेले में उस फैसले पर चर्चा की जा सकती है। यदि नियम बदलना जरूरी लगे तो दोनों मिलकर बच्चे को नया नियम समझाएं। इससे बच्चे को यह सीख मिलती है कि नियम किसी की जिद से नहीं, विचार-विमर्श से बदलते हैं।

प्यार और अनुशासन दोनों जरूरी

पेरेंटिंग में केवल सख्ती या केवल छूट, दोनों अतियां हैं। प्रभावी तरीका वह है जिसमें बच्चे को प्यार और सम्मान भी मिले और स्पष्ट सीमाएं भी हों। इसे अथॉरिटेटिव पेरेंटिंग कहा जाता है। इसमें माता-पिता बच्चे की बात सुनते हैं, लेकिन हर मांग पूरी नहीं करते। गलती पर समझाया जाता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर उचित परिणाम भी तय किए जाते हैं। बच्चे को स्वतंत्रता मिलती है, लेकिन उसकी उम्र और जिम्मेदारी के अनुसार।

'समस्या माता-पिता की अलग सोच में नहीं, बल्कि बच्चे के सामने अलग-अलग नियम और प्रतिक्रियाओं में है। बच्चे को स्पष्ट, स्थिर और भरोसेमंद माहौल मिलना जरूरी है।

-डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर

पेरेंटिंग में मतभेद दूर करने के कुछ नियम

1. बड़े नियम पहले आपस में तय करें। मोबाइल, पढ़ाई, पॉकेट मनी, बाहर जाना और सोने के समय जैसी बातों पर साझा नियम बनाएं।
2. बच्चे के सामने एक-दूसरे का फैसला न काटें। असहमति हो तो कहें कि इस विषय पर आपस में बात करके निर्णय बताएंगे।
3. 'एक सख्त, एक नरम' की भूमिका न बनाएं। दोनों बच्चे को प्यार दें और जरूरत पड़ने पर दोनों नियम लागू करें।
4. नियम बदलें तो मिलकर बदलें। बच्चे की जिद या दबाव में अलग-अलग निर्णय न लें।
5. गलती पर बच्चे को नहीं, व्यवहार को गलत बताएं। उसे गलती सुधारने का अवसर दें और उचित परिणाम समझाएं।
6. प्यार के साथ स्पष्ट सीमाएं तय करें। न पूरी छूट दें, न हर बात पर सख्ती करें। बच्चे की उम्र और जरूरत के अनुसार संतुलन रखें।

जीवन ज्योति

ऊर्जा वही लौटकर आती है जिसे मन दुनिया में भेजता है

सिस्टर बीके शिवानी
मोटिवेशनल स्पीकर

जीवन में परिस्थितियां हमेशा हमारे अनुसार नहीं होतीं, लेकिन उन परिस्थितियों के प्रति हमारी सोच कैसी होगी, यह हमारे हाथ में है। यही सोच हमारी ऊर्जा बनाती है। मन में जैसा विचार चलता है, वैसी ही ऊर्जा आसपास फैलती है और धीरे-धीरे वही ऊर्जा हमारे जीवन में लौटकर आने लगती है। नकारात्मक ऊर्जा की शुरुआत अक्सर किसी बड़ी घटना से नहीं होती। छोटी-सी नाराजगी, किसी के प्रति शिकायत, बार-बार पुराने दुख को याद करना, दूसरों से तुलना करना या भविष्य को लेकर डरना—ये सभी मन में नकारात्मक ऊर्जा पैदा करते हैं। बाहर से व्यक्ति शांत दिखाई दे सकता है, लेकिन भीतर लगातार चल रहे विचार मन को थका देते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझना है कि नकारात्मक विचारों को रोकने के लिए परिस्थितियों को बदलना जरूरी नहीं है। जरूरत केवल विचारों की दिशा बदलने की है। किसी ने कुछ कह दिया, किसी ने अपेक्षा के अनुसार व्यवहार नहीं किया, कोई काम समय पर नहीं हुआ—इन घटनाओं को मन कितनी देर तक अपने भीतर रखता है, यही तय करता है कि ऊर्जा सकारात्मक बनेगी या नकारात्मक। जब मन बार-बार कहता है कि ऐसा क्यों हुआ, मेरे साथ ही क्यों हुआ, लोग ऐसे क्यों हैं, तब मन समस्या के साथ जुड़ जाता है। लेकिन जब विचार बदलकर यह होता है कि जो हुआ, उससे क्या सीख मिल सकती है और अब बेहतर क्या किया जा सकता है, तो वही परिस्थिति ऊर्जा का स्रोत बन जाती है।

सकारात्मक ऊर्जा का अर्थ यह नहीं कि जीवन में कोई समस्या ही न हो। इसका अर्थ है समस्या के बीच भी मन की शांति को बचाए रखना। कठिन परिस्थिति में भी विश्वास रखना कि हर स्थिति स्थायी नहीं होती। आज का तनाव कल समाप्त हो सकता है। आज की असफलता कल की सफलता की तैयारी बन सकती है। सुबह उठते ही मन को सकारात्मक विचार देना बहुत जरूरी है। दिन की शुरुआत शिकायत से होगी तो पूरे दिन शिकायतें दिखाई देंगी। शुरुआत कृतज्ञता से होगी तो छोटी-छोटी खुशियां भी दिखाई देने लगेंगी। इसलिए हर सुबह मन में यह भाव रखें कि आज किसी के लिए अच्छा शब्द बोलना है, किसी को दुख नहीं देना है और अपनी ऊर्जा को व्यर्थ की बातों में खर्च नहीं करना है। दूसरों के प्रति हमारी सोच भी हमारी ऊर्जा को प्रभावित करती है। किसी के लिए बुरा सोचने से सामने वाले को नुकसान हो या न हो, लेकिन मन की शांति जरूर कम होती है। क्षमा करना दूसरे पर उपकार नहीं, अपने मन को हल्का करने का रास्ता है।

याद रखें, शब्द भी ऊर्जा हैं। एक अच्छा शब्द किसी टूटे हुए मन को संभाल सकता है और एक कठोर शब्द किसी को भीतर तक चोट पहुंचा सकता है। इसलिए बोलने से पहले यह देखना जरूरी है कि शब्द सामने वाले के जीवन में कैसी ऊर्जा लेकर जाएंगे। मन को रोज साफ करना उतना ही जरूरी है जितना शरीर को साफ रखना। दिनभर की नाराजगी, तनाव, डर और शिकायतों को रात तक ढोते रहना मन पर बोझ बढ़ाता है। सोने से पहले स्वयं से कहें—आज जो हुआ, उसे यहीं छोड़ना है। कल एक नई शुरुआत होगी। सकारात्मक ऊर्जा कोई चमत्कार नहीं है। यह रोज चुने गए छोटे-छोटे विचारों का परिणाम है। विचार बदलेंगे तो भाव बदलेंगे, भाव बदलेंगे तो व्यवहार बदलेगा और व्यवहार बदलेगा तो जीवन का अनुभव भी बदलने लगेगा। इसलिए परिस्थितियां कैसी भी हों, अपने मन की ऊर्जा को संभालकर रखें। दुनिया को बदलने से पहले अपने विचारों की दिशा बदलें। क्योंकि बाहर की दुनिया हमेशा हमारे नियंत्रण में नहीं होती, लेकिन मन के भीतर कौन-सी ऊर्जा रखनी है, इसका चुनाव हमेशा हमारे हाथ में रहता है।

सितारों की बात

पंडित विष्णु राजौरिया

सप्ताह का राशिफल दिनांक 13 से 20 सितंबर तक

मेष: राशि के जातकों इस सप्ताह में कुछ सावधानी रखने की आवश्यकता है, क्योंकि घर परिवार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। स्वयं के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखने की विशेष आवश्यकता रहेगी विशेष रूप से बुजुर्गों को।

वृषभ: वृषभ राशि के जातक अपने परिवार के सदस्यों के संबंध में व्यस्त रह सकते हैं, वरिष्ठ जन युवक युग क्यों के विवाह में चिंता कर सकते हैं एवं इस कार्य को करने हेतु उनको यात्रा करनी पड़ सकती है, व्यापार व्यवसाय संबंधी यात्रा सफल रहेगी।

मिथुन: मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह हमें उत्तम सफलता मिलने के सहयोग रहेंगे व्यापार व्यवसाय एवं अपने कार्य क्षेत्र में उन्नत होने के अवसर प्राप्त होंगे एवं आर्थिक प्रयास सफल होंगे खेती-बाड़ी में लगे हुए जातक विशेष सफलता प्राप्त करेंगे।

कर्क: इस राशि के जातकों को विभिन्न स्थानों पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होसकता है। युवा जातक अपनी प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी कार्यों में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे साथी इस सप्ताह होने वाली कोई भी परीक्षा में उनका उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह: इस राशि के जातकों को वर्तमान में सावधानी से चलने की आवश्यकता बनी हुई है, आप आर्थिक लेन देन में चाहे आपके निकट संबंधी भी क्यों ना हो सावधानी रखें, क्योंकि आर्थिक कार्य से मनमुटाव होने की संभावना बनी हुई है, अत: व्यापार व्यवसाय में भी उतार-चढ़ाव का समय चल रहा है सावधानी पूर्वक कार्य करें।

कन्या: कन्या राशि के जातकों को अत्यंत भाग दौड़ और व्यस्तता का समय रहेगा। विशेष कार्यों से आपके प्रवास भी करना पड़ सकता है। विभिन्न संस्थागत कार्यों के कारण आपकी व्यस्तता रहेगी। परिजनों के संबंध में कोई चिंता आपको परेशान कर सकती है।

तुला: इस राशि के जातकों को इस समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इस सप्ताह में अंत के दिनों में समस्या का समूल निराकरण होने के योग बन रहे हैं, आप व्यय और अनावश्यक खर्च साथ ही लेन देन के प्रति सचेत रहें, आर्थिक हानि हो सकती है।

वृश्चिक : इस राशि के जातक अपने कार्यों में सफलतापूर्वक कार्य कर सकते हैं, लक्ष्य प्राप्त होने से आपके घर परिवार में उत्साह और उमंग का वातावरण बनेगा। नवीन योजना भवन भूमि संबंधी कार्य सिद्ध होने के संकेत मिल रहे हैं, आय बढ़ेगी और उसका सही समय पर सही निर्णय लेकर उपयोग करें।

धनु: इस राशि के जातक घर परिवार के संतान संबंधी कार्यों में व्यस्तता रह सकती है, एवं संतान संबंधी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होंगे बच्चों की शिक्षा विवाह एवं कार्य क्षेत्र में प्रवेश संबंधी योजना में सफलता प्राप्त करेंगे यह आपके लिए उत्तम समय रहेगा। व्यापार व्यवसाय में उन्नति होगी लाभ के कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर: इस राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अंकुर रहने के योग दिख रहे हैं आपके विलंबित कार्य इस सप्ताह में सफल हो सकते हैं तथा विगत दिनों से निकट संबंधियों से जो मन मोत चल रहा था उसके दूर होने के संकेत मिल रहे हैं, वरिष्ठ जनों के सहयोग से यह कार्य संपन्न होगा,इस संबंध में आप विशेष प्रयास करें सफलता मिलेगी, आर्थिक दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए अत्यंत अनुकूल बना हुआ है।

कुंभ: कुंभ राशि के जातकों को यह सप्ताह सावधानी से रहने का बना हुआ है, शत्रु पक्ष कितना भी प्रबल क्यों ना हो आपको सफलता मिलेगी, अत: अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ते रहें और अपने प्रिय जनों से निरंतर संपर्क रख कर इस कार्य को सफलतापूर्वक कर सकते हैं। आय के स्रोत बढ़ेंगे नवीन कार्य योजना पर काम प्रारंभ होगा।

मीन: इस राशि के जातकों को पिछले दिनों की अपेक्षा कुछ सफलता मिलेगी, स्वास्थ्य में लाभ हड्डियों के दर्द में कुछ कमी साथ ही नवीन व्यापार व्यवसाय में उन्नति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। प्रत्येक शनिवार पीपल के वृक्ष में दुग्ध एवं तिल मिश्रित जल चढ़ाना ना भूले, छाया पात्र का दान करें इससे समस्त दोषों का निवारण होगा। युवा जातक वाहन संबंधी लापरवाही न करें। सावधान होकर वाहन चलाएं।

दिया कबीरा रोय

डॉ. अशोक कुमार धमेनियां 'अशोक'
व्यंग्यकार

अगले जनम मोहे कुत्तों का मालिक कीजो...

मेहरबान, कद्रदान, मैं हैरान हूं, परेशान हूं। आजकल का लेखक ना जाने क्यों अगले जन्म में कुत्ता बनने की प्रार्थना ईश्वर से कर रहा है। कुत्ता और वह भी किसी बड़े धन्ना सेठ का, जिसे खाने को रोटी, रस - मलाई आराम से मिलती रहे, कभी-कभी नॉनवेज का स्वाद भी मिलता रहे। लेखक को यह पता होना चाहिए कि सेठ अर्थात बड़ा आदमी कुत्ता नहीं पालता। वह 'डॉग जी' को पालता है। लेकिन आपने 'डॉग जी' बनने की इच्छा प्रकट नहीं की, आप तो कुत्ता बनना चाहते हैं। अतः इच्छाधारी लेखक को पहले तो यह पूर्ण रूप से तय कर लेना चाहिए कि उन्हें कुत्ता बनना है या फिर 'डॉग जी'। क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही और गलती भारी पड़ सकती है। अतः यह तय करने के पश्चात आप भगवान से प्रार्थना कीजिए। यदि आप अगले जन्म में कुत्ता बन गए तो यह भी संभावना है कि आपको सूखी रोटी के अलावा और कुछ अधिक खाने को नहीं मिले। नॉनवेज खाने के लिए आपको गली-गली और नालों -नालों में घूमना पड़ सकता है। अतः भगवान से प्रार्थना सोच समझ कर कीजिए कि आपको अगले जन्म में क्या बनाना है? वैसे भी भगवान डाग जी बनने का वरदान नहीं दे सकते, वह कुत्ता बनने का वरदान ही दे सकते हैं, क्योंकि डाग जी हमारे देश की धरती की पैदाइश नहीं है। एक बात और है कि आप अगले जन्म में कुत्ता बनें या डॉग जी, लेकिन आपके अंदर जो आत्मा रहेगी वह लेखक की ही रहेगी। कुत्ता बनने के बाद भी आप साहित्यकारों से प्रेम करेंगे, साहित्यक कार्यक्रमों से प्रेम करेंगे। आपने देखा होगा कि ऐसी ही एक आत्मा कुत्ते के अंदर हिंदी भवन भोपाल में रहती है जो है तो कुत्ता रूप में, लेकिन वह हमेशा ही साहित्यकारों के बीच में बैठता है, रचनाएं सुनता है, हो सकता है कि किसी लेखक की इच्छा पूर्ति के लिए उसको ईश्वर ने कुत्ता बना दिया हो।

वैसे मेरी समझ में यह नहीं आ रहा है कि अधिकांश लेखक कुत्ता क्यों बनना चाहते हैं, किसी अन्य जानवर को क्यों नहीं चुन लेते ? अच्छा होता कि गाय -बैल बनना पसंद करते। ज्यादा से ज्यादा गाय - बैल बनने के साथ यह प्रार्थना कर सकते थे कि हमें गायत्री शक्तिपीठ की गाय अथवा बैल बना दिया जाए। गायत्री शक्तिपीठ में देसी नस्ल के ही गाय और बैल हैं। गायत्री शक्ति पीठ का गाय या बैल बनने से दो फायदे होते। एक तो आदमी प्रतिदिन आपके पूजन करने के लिए आते और आपको हरी -हरी घास और दाना इतना खिलाते की आप नीचे से ऊपर तक पौष्टिक घास से ढक जाते तथा प्रोटीन युक्त घास खाते-खाते पोंकने लग जाते। दूसरा फायदा यह होता कि जब गोवंश के रूप में आप अपने प्राण त्यागते तो फिर पुनः मनुष्य जीवन में पहुंचते। क्योंकि ऐसा विधान बताया गया है कि गोवंश योनि के बाद मनुष्य योनि प्राप्त होती है। मनुष्य योनि पाकर आप पुनः भगवान से प्रार्थना कर सकते थे। इस तरह से आपका गोवंश में जन्म और फिर गोवंश से मनुष्य योनि में जन्म ,यह क्रम चलता रहता। आपको 84 लाख योनियों में न भटकना पड़ता। लेकिन आप कुत्ता बनने पर तुले हुए हैं, पता नहीं कौन सी मैडम है जिनकी गोद आपको इस योनि में नसीब नहीं हुई और आप कुत्ता बनने के पश्चात मैडम की वह गोद प्राप्त करना चाहते हैं। अब कुत्ते को कोई मैडम अपनी गोद देती है अथवा नहीं यह और बात है। वह तो डॉगी को ही पसंद करती हैं। देखो भाई, आप चाहे कुछ भी बनने की गुहार ईश्वर से करें, मैं तो भगवान से यही प्रार्थना करूंगा कि मुझे कुत्तों का मालिक अगले जन्म में बना दिया जाए, ताकि कुत्ते रूप में जो साहित्यकार मित्र होंगे ,उनकी देखरेख मैं कर सकूं। इस तरह से मेरी मनुष्य योनि बरकरार रहेगी और मैं सभी कुत्ता योनि के साहित्यकारों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा सकूंगा। यह भी मुझे ध्यान रखना होगा कि जो लेखक कुत्ता योनि में हैं, उन्हें कहीं नगर पालिका का कर्मचारी पकड़ करके नसबंदी कराने तो नहीं ले जा रहा है या सरकारी बाड़े में कैद तो नहीं कर रहा है। क्योंकि आजकल यह कार्यवाही जोरों पर चल रही है। इस दिशा में उच्चतम न्यायालय भी तेजी से कार्य कर रहा है। अतः कृपया सावधान होकर वरदान मांगिए।

मैं एक कार्य और करूंगा कि कुत्ता योनि को प्राप्त लेखक ,जो भों-भों करके व्यंग्य पढ़ेंगे ,उसका अर्थ समझने के लिए कहीं प्रशिक्षण प्राप्त करूंगा , ताकि कुत्ता योनि में लेखक क्या कह रहे हैं, मैं भली-भांति समझ सकूं।

खास पहचान

ऐसा स्टेशन जहां दो राज्यों की सीमा का होता है अनुभव

भारत में रेलवे के हजारों स्टेशन हैं, लेकिन कुछ स्टेशन अपनी अनोखी भौगोलिक स्थिति के कारण खास पहचान रखते हैं। गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित नवापुर रेलवे स्टेशन ऐसा ही एक स्टेशन है। इसकी दिलचस्प बात यह है कि स्टेशन परिसर के एक हिस्से को महाराष्ट्र में और दूसरे हिस्से को गुजरात में माना जाता है। यानी यात्री एक ही स्टेशन पर खड़े होकर दो राज्यों की सीमा का अनुभव कर सकते हैं।

नवापुर रेलवे स्टेशन पश्चिम रेलवे के मुंबई-सूरत रेल मार्ग पर स्थित है। स्टेशन का नाम नवापुर है, जबकि नवापुर शहर महाराष्ट्र में है। स्टेशन के आसपास राज्य की सीमा बेहद करीब है। यही वजह है कि यहां आने वाले यात्रियों के लिए यह स्थान सामान्य रेलवे स्टेशन से कुछ अलग नजर आता है। नवापुर स्टेशन की सबसे चर्चित विशेषता प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसर में दिखाई देने वाली राज्य सीमा है। यहां रेलवे से जुड़े कुछ हिस्से महाराष्ट्र की तरफ आते हैं, जबकि स्टेशन का दूसरा हिस्सा गुजरात की सीमा में पड़ता है। लंबे समय से यह स्थिति लोगों के लिए कौतूहल का विषय रही है। कई यात्रियों के लिए यह अनुभव दिलचस्प होता है कि ट्रेन का सफर करते हुए जिस राज्य से दूसरे राज्य में पहुंचने की बात सामान्य लगती है, उसका एहसास यहां स्टेशन परिसर में ही हो जाता है।

वॉलीबाल में नरसिंहपुर का दबदबा, तीनों आयु वर्गों में बनी संभागीय विजेता

14, 17 और 19 वर्ष बालक वर्ग में जिले की टीमों ने मारी बाजी, गोटेगांव स्टेडियम में रोमांचक मुकाबलों ने बढ़ाया खेल का उत्साह

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

शिक्षा विभाग के वार्षिक खेल कैलेंडर सत्र 2026-27 के तहत नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम, गोटेगांव में आयोजित संभागीय शालेय वॉलीबाल प्रतियोगिता में नरसिंहपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनों आयु वर्गों में खिताब अपने नाम कर लिया। प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग के विभिन्न जिलों से चयनित खिलाड़ी, कोच और प्रबंधक शामिल हुए।

14, 17 और 19 वर्ष बालक वर्ग के फाइनल मुकाबलों में नरसिंहपुर की टीमों ने अपने खेल कौशल, बेहतर तालमेल और मजबूत टीम भावना का परिचय देते हुए विजेता बनने का गौरव हासिल किया। 19 वर्ष बालक वर्ग के फाइनल में नरसिंहपुर ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि छिंदवाड़ा उपविजेता रहा। 17 वर्ष वर्ग में नरसिंहपुर विजेता और जबलपुर उपविजेता रहा। वहीं 14 वर्ष वर्ग में भी नरसिंहपुर ने बाजी मारी और जबलपुर को उपविजेता से संतोष करना पड़ा। स्टेडियम में हुए मुकाबलों के दौरान हर सर्व, स्मैश और अंक के साथ रोमांच बढ़ता गया। खिलाड़ियों ने अनुशासन, तकनीक और सामूहिक समन्वय का प्रभावी प्रदर्शन किया। दर्शकों ने भी पूरे उत्साह के साथ खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में शिक्षा एवं खेल विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, प्रशिक्षकों, वरिष्ठ वॉलीबाल खिलाड़ियों और आयोजन समिति के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। लगातार तीन आयु वर्गों में जीत से नरसिंहपुर ने संभागीय स्तर पर अपनी मजबूत खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

तीनों फाइनल में कब्जा

नरसिंहपुर के खिलाड़ियों ने संभागीय शालेय वॉलीबाल प्रतियोगिता में एकतरफा दबदबा कायम करते हुए तीनों आयु वर्गों के फाइनल अपने नाम किए। 19 वर्ष बालक वर्ग में नरसिंहपुर विजेता और छिंदवाड़ा उपविजेता रहा। 17 वर्ष वर्ग में भी नरसिंहपुर ने शानदार खेल दिखाते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि जबलपुर दूसरे स्थान पर रहा। 14 वर्ष बालक वर्ग में नरसिंहपुर ने फिर दमदार प्रदर्शन किया और विजेता बना। इस वर्ग में जबलपुर उपविजेता रहा। लगातार तीन वर्गों में जीत ने जिले के खिलाड़ियों की तैयारी, टीम तालमेल और खेल कौशल को साबित किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ मुकाबले खेले। तीनों खिताब जीतकर नरसिंहपुर की टीमों ने संभागीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

हर सर्व पर बढ़ता गया रोमांच

गोटेगांव स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का जोश देखते ही बना। मुकाबलों में हर सर्व, स्मैश और अंक के साथ रोमांच बढ़ता रहा। जबलपुर संभाग के विभिन्न जिलों से चयनित खिलाड़ी अपने कोच और प्रबंधकों के साथ प्रतियोगिता में पहुंचे थे। मैदान पर खिलाड़ियों ने तकनीकी दक्षता के साथ अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। टीमों के बीच बेहतर तालमेल ने मुकाबलों को और रोचक बना दिया। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। पूरे आयोजन के दौरान स्टेडियम खेल भावना से सराबोर रहा। प्रतियोगिता ने खिलाड़ियों को संभागीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया और भविष्य की बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए उनका आत्मविश्वास भी बढ़ाया। संभागीय शालेय वॉलीबाल प्रतियोगिता के सफल आयोजन में शिक्षा और खेल विभाग से जुड़े अधिकारियों, प्रशिक्षकों तथा आयोजन समिति के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। वरिष्ठ वॉलीबाल खिलाड़ी संतोष राजपूत, मृदुलेश दुबे, रामभगत उइके और योगेश शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

न्यूज विंडो

मां ने ही अपने प्रेमी से कराया 15 साल की नाबालिग बेटी का दुष्कर्म, केस दर्ज

बमीठा (छतरपुर)। जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर स्थित एक गांव में 15 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुष्कर्म पीड़िता की सगी मां ने ही अपने प्रेमी से कराने का आरोप है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पाक्सो एक्ट के तहत मां और उसके प्रेमी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। बमीठा थाना पुलिस के अनुसार गुरुवार की रात बसारी गांव निवासी 15 वर्षीय नाबालिग अपने स्वजन के साथ थाने में आई। शिकायत दर्ज कराते हुए पीड़ित ने बताया कि अल्टरनेट दो दिन मां ने खेत पर साथ ले जाकर उनके ही प्रेमी से दुष्कर्म कराया। स्वजन को इसी बात की जानकारी तब लगी जब गुरुवार की शाम किशोरी को अत्यधिक ब्लीडिंग हो रही थी। जब स्वजन ने पूछा तो पीड़ित ने सारी घटना बता दी। पुलिस ने किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराने के साथ ही आरोपी मां व मां के प्रेमी के खिलाफ पाक्सो एक्ट में प्रकरण दर्ज कर महिला और उसके प्रेमी की तलाश शुरू कर दी ह

महू में 300 किलो विस्फोटक चोरी से हड़कंप, जंगल में मिला चोरी का सुराग

महू। बड़गोंदा थाना क्षेत्र के सीतापाट स्थित निजी मैगजीन से 300 किलो विस्फोटक चोरी के मामले में पुलिस की जांच अब जंगल और खेतों में होने वाली ब्लास्टिंग गतिविधियों तक पहुंच गई है। वारदात स्थल से करीब 150 मीटर दूर पुलिस को 25 एमएम नाइट्रेटेड मिक्सर का एक बाक्स, डेटोनेटिंग फ्यूज और एक टामी मिली है। पुलिस को आशंका है कि मैगजीन में चोरी करने के बाद बदमाश इन सामग्रियों को जंगल में फेंककर गए होंगे। जांच के दौरान सामने आया कि मैगजीन की खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया। जंगल में मिली टामी को लेकर पुलिस को संदेह है कि इसी की मदद से खिड़की तोड़कर बदमाश अंदर दाखिल हुए होंगे। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि चोरों ने मुख्य रूप से 25 एमएम और 40 एमएम नाइट्रेटेड मिक्सर के बाक्स को निशाना बनाया। अधिक विस्फोट तीव्रता क्षमता वाले बाक्स को छोड़कर कम क्षमता वाले बाक्स चोरी किए जाने की बात सामने आई है। इसी आधार पर पुलिस एसआईटी अब ट्रैक्टर के माध्यम से खेतों में कुएं सहित अन्य कृषि कार्यों के लिए होने वाली ब्लास्टिंग की गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है। आसपास के जिलों की सीमाओं से लगे गांवों के जंगल और खेतों में भी ब्लास्टिंग से जुड़ी गतिविधियों की तफ्तीश की जा रही है। शुरुआती जांच में पुलिस खदान और ब्लास्टिंग से जुड़े लोगों से पूछताछ कर चुकी है। सीतापाट क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज और संदिग्धों की सीडीआर का भी बारीकी से विश्लेषण किया जा रहा है।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी का अभियान, 13 प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम। जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और संग्रहण के खिलाफ आबकारी विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर गत दिवस जिले के सभी आबकारी वृत्त क्षेत्रों में चलाए गए अभियान में 13 प्रकरण दर्ज कर 56,400 रुपए की अवैध मदिरा व सामग्री जब्त की गई। कार्रवाई के दौरान आबकारी टीम ने 3.6 लीटर देशी मदिरा, 52 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा और 430 किलोग्राम लहान बरामद किया। विभाग ने यह कार्रवाई मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत की। अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई के साथ आबकारी विभाग ने जिले की मदिरा दुकानों का भी निरीक्षण किया। जांच के दौरान अनियमितताएं मिलने पर 10 विभागीय प्रकरण दर्ज किए गए। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय और संग्रहण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने विभागीय अमले को अवैध मदिरा गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सतत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

सिद्ध बाबा के पास हुआ हादसा, पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली कब्जे में लेकर शुरू की जांच

श्रद्धालुओं पर टूटा रफ्तार का कहर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 17 घायल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार दोपहर करीब 3 बजे तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के इमलीडोल-खकरिया मार्ग पर सिद्ध बाबा के समीप तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली अंधे मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में करीब डेढ़ दर्जन लोग घायल हो गए। सभी इमलीडोल गांव से तेंदूखेड़ा की गौशाला में चल रही श्रीमद्भागवत कथा सुनने आ रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 और 108 मौके पर पहुंचीं तथा घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद पांच गंभीर घायलों फम्मी बाई यादव (62), रुक्मण यादव (60), ओमकार यादव (35), विश्राम गौड़ (60) और अभिलाषा यादव (45) को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। अन्य घायलों का स्थानीय स्तर पर उपचार जारी रहा। घायलों ने ट्रैक्टर का स्टेयरिंग फेल होने की बात बताई, जबकि मौके की जांच में अंधा और घूमदार मोड़, घाट की ढलान तथा तेज रफ्तार को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को अभिरक्षा में लेकर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद एसडीओपी अर्चना अहीर, थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर, नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी सहित पुलिस-प्रशासन के अधिकारी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घायलों से जानकारी ली। इधर, हादसे के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बड़ी संख्या में घायलों के उपचार की जिम्मेदारी एक ही डॉक्टर के भरोसे रही। डॉक्टर प्रांशु साहू ने घायलों का उपचार कर गंभीर मरीजों को रेफर किया। इससे क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था और चिकित्सकों की कमी को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। इमलीडोल गांव के ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार को 25 से 30 लोग तेंदूखेड़ा की गौशाला में चल रही श्रीमद्भागवत कथा सुनने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली से रवाना हुए थे। इनमें यादव और आदिवासी समाज के लोग शामिल थे। सभी श्रद्धालु उत्साह के साथ कथा स्थल की ओर जा रहे थे, लेकिन सिद्ध बाबा के समीप अचानक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही ग्रामीणों के साथ पुलिस और आपातकालीन वाहन मौके पर पहुंचे। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। कुछ घायलों को गंभीर चोटें आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर भेजा गया। हादसे की खबर गांव पहुंचते ही परिजन भी स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए और अपनों का हाल जाना।

डेढ़ दर्जन घायलों के बीच एक डॉक्टर ने संभाला मोर्चा

हादसे के बाद तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अचानक घायलों की संख्या बढ़ गई। एक साथ डेढ़ दर्जन के करीब घायल पहुंचने के बावजूद उस समय उपचार की जिम्मेदारी एक ही डॉक्टर के भरोसे रही। डॉक्टर प्रांशु साहू ने सभी घायलों की जांच कर उपचार शुरू किया और गंभीर स्थिति वाले मरीजों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया। इस घटना ने तेंदूखेड़ा की स्वास्थ्य व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र में 200 से अधिक गांव और नगर के 15 वार्ड हैं, लेकिन चिकित्सकों की कमी लंबे समय से बनी हुई है।

नेशनल लोक अदालत में आपसी सहमति से मामलों का हुआ निराकरण

तेंदूखेड़ा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह सुभाष सोलंकी के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती उषाकांता कृषाण के मार्गदर्शन में शनिवार को न्यायालय तेंदूखेड़ा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिले में कुल 20 खंडपीठ गठित की गई थीं, जिसमें खंडपीठ क्रमांक 20 तेंदूखेड़ा न्यायालय की रही। इसकी पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती स्मृति सोनी रहीं। लोक अदालत का शुभारंभ प्रातः सरस्वती पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर न्यायालय के अधिवक्ता, नगर पालिका कर्मचारी, बैंक स्टाफ एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे। लोक अदालत में विभिन्न राजीनामा योग्य प्रकरणों का दोनों पक्षों की आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर निराकरण कराया गया। न्यायालय में लंबित आपराधिक एवं अन्य राजीनामा योग्य मामलों में पक्षकारों के बीच समझाइश देकर आपसी सहमति से प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसके अलावा पारिवारिक विवादों के मामलों में भी पक्षकारों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया गया। लोक अदालत के दौरान ट्रैफिक चालान से संबंधित प्रकरणों का भी निराकरण किया गया। नगर पालिका द्वारा जलकर, संपत्ति कर एवं समेकित कर से संबंधित बकाया राशि की वसूली की गई।

शादी से इनकार के बाद पीड़िता ने महिला थाने में की शिकायत

नाबालिग से दुष्कर्म, गर्भपात कराने का आरोप, कांग्रेस नेता के बेटे पर केस दर्ज

नर्मदापुरम/इटारसी। दोपहर मेट्रो

इटारसी में नाबालिग से दुष्कर्म और गर्भपात कराने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर नर्मदापुरम महिला थाना पुलिस ने इटारसी निवासी अनुज सोनकर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपी पर फरवरी से नाबालिग से कई बार दुष्कर्म करने का आरोप है। मामले में उसके बड़े भाई राहिल सोनकर को भी सहआरोपी बनाया गया है। राहिल पर गर्भपात के लिए दवा लाकर देने का आरोप है। पुलिस दोनों आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जून में पीरियड नहीं आने पर उसने अनुज को जानकारी दी। अनुज ने उसे प्रेग्नेंसी टेस्ट किट दी, जिसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसके बाद आरोपी ने परिवार को नाबालिग के गर्भवती होने की जानकारी दी। शिकायत के अनुसार, इसके बाद अनुज के भाई राहिल ने मेडिकल से दवा लाकर दी। पीड़िता को दवा खिलाने के बाद गर्भपात होने का आरोप है। पीड़िता के अनुसार, गर्भपात के करीब तीन महीने बाद अनुज उसे इटारसी में सरोवर के पीछे स्थित हिंडन कैफे ले गया। करीब 10 दिन पहले कैफे के केबिन में उसकी इच्छा के खिलाफ दोबारा गलत हरकत करने का आरोप है। पुलिस शिकायत में बताए गए घटनाक्रम और अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

पीड़िता ने बताया कि 10 सितंबर को अनुज ने कहा था कि अगले दिन उसके माता-पिता उसे भोपाल डॉक्टर के पास चेकअप कराने ले जाएंगे। पीड़िता ने जाने से इनकार करते हुए अनुज से शादी करने की बात कही, लेकिन उसने शादी से मना कर दिया। इसके बाद दोनों में विवाद हुआ और पीड़िता ने महिला थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। महिला थाना प्रभारी राखी मौर्य ने बताया कि शिकायत के आधार पर अनुज सोनकर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। उसके भाई राहिल सोनकर को भी सहआरोपी बनाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मुख्य आरोपी की तलाश जारी है।

अनुज सोनकर के पिता रजनीकांत सोनकर कांग्रेस के जिला महासचिव बताए जाते हैं। वे इटारसी के वार्ड 12 से पूर्व पार्षद और नगर पालिका में सभापति रह चुके हैं। वहीं, अनुज के बड़े भाई राहिल सोनकर के भाजपा कार्यकर्ता होने की जानकारी सामने आई है। बताया गया है कि उसने लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा की सदस्यता ली थी। अनुज के वेयरहाउस संचालन से जुड़े होने की भी जानकारी है।

रात 10 बजे के बाद डीजे बजा तो होगी कार्रवाई

शांति समिति की बैठक में झांकी संचालकों को दिए निर्देश

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

गणेश उत्सव को लेकर पटवारी सभागृह में प्रशासन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई और विसर्जन व्यवस्था को लेकर अधिकारियों ने झांकी संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन ने सख्त निर्देश दिए है। एसडीएम अनुभा जैन ने कहा कि रात 10 बजे के बाद डीजे बजाने पर कार्रवाई की जाएगी। झांकी संचालकों से अपने कार्यकर्ताओं की सूची नाम और मोबाइल नंबर सहित प्रशासन को उपलब्ध कराने को कहा गया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनसे तत्काल संपर्क किया जा सके। एसडीओपी शिखा भलावी ने कहा कि विसर्जन के दौरान छोटे बच्चों को नदी घाटों पर नहीं ले जाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण घाटों पर पानी का स्तर अधिक रह सकता है, जिससे खतरा बना रहता है। बेतवा घाटों पर विसर्जन के दौरान रास्ते में बैरिकेडिंग की जाएगी, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू रहे और जाम की स्थिति न बने।

मेट्रो एंकर भागवत कथा : सच्चा गुरु वही, जिसके साथ गोविंद का सानिध्य; माता-पिता और भगवान को कभी न छोड़ें

राम नाम ही भवसागर से पार लगाने का सबसे सरल मार्ग : पं. बिहारी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर की गौशाला में अयोध्यावासी सोनी परिवार के तत्वावधान में 9 से 15 सितंबर तक आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कथा व्यास एवं गौ पीठाधीश्वर पंडित विपिन बिहारी दास ने भगवान नाम की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में जितना संभव हो, भगवान का नाम स्मरण करना चाहिए। राम नाम मनुष्य को भवसागर से पार लगाने वाला है, जबकि संसार की बाकी वस्तुएं माया हैं।

उन्होंने कहा कि संतोष रूपी धन जीवन का सबसे बड़ा सुख है। ईश्वर कहीं बाहर नहीं, बल्कि सेवा, सद्कर्म, प्रेम और करुणा में मिलते हैं। क्रोध और अहंकार मनुष्य के सबसे बड़े शत्रु हैं तथा समय संसार की सबसे कीमती वस्तु है। इसलिए जीवन रहते अच्छे कर्म और सेवा कर लेनी चाहिए। पंडित बिहारी ने कहा कि मन में छिपी नफरत और ईर्ष्या जीवन का बोझ हैं। किसी के साथ विश्वासघात करना और निर्दोष का दिल दुखाना बड़ा पाप है। महाराज मनु के वंश का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य को सबसे पहले इंसान बनने का प्रयास करना चाहिए। इंसानियत और करुणा से ही समाज और देश का कल्याण संभव है। कथा में उन्होंने श्रीमद्भागवत में वर्णित भगवान के 24 अवतारों का विस्तार से वर्णन किया। साथ ही श्रद्धालुओं को भजन करने वालों की निंदा न करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि नकली बाबाओं के बहकावे में आने से बचें। सच्चा गुरु वही है, जिसके साथ गोविंद का सानिध्य हो। कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग का भी सुंदर वर्णन किया गया। रविवार को कथा स्थल पर कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। कथा व्यास पंडित विपिन बिहारी दास ने श्रद्धालुओं को जीवन में अच्छे संस्कार अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि मनुष्य को दो बातें हमेशा याद रखनी चाहिए—अपने माता-पिता को कभी नहीं छोड़ना और अपने भगवान को कभी नहीं छोड़ना। उन्होंने कहा कि ईश्वर की कृपा के बिना जीवन में मिलने वाली वस्तुओं का वास्तविक लाभ संभव नहीं है। पैसे से दवाई खरीदी जा सकती है, लेकिन उसका असर पुण्य और ईश्वर की कृपा से ही मिलता है।

'राष्ट्र, धर्म के प्रति समर्पित नागरिक निर्माण करना शिक्षक की जिम्मेवारी'

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

स्थानीय आरुष एकेडमी में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक परिवार के लिए आयोजित ज्ञानोपदेश सभा में संत पं. विपिन बिहारी दास महाराज ने शिक्षा के साथ संस्कारों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा और शिक्षण संस्थानों का स्तर भले ही ऊंचा हुआ है, लेकिन आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा व्यवस्था में संस्कार पीछे छूटते जा रहे हैं। संस्कारविहीन शिक्षा पतन की ओर ले जाती है, जबकि संस्कारयुक्त शिक्षा मनुष्य को परमात्मा के मार्ग पर ले जाती है। उन्होंने कहा कि समाज ने शिक्षकों को बच्चों के रूप में गीली मिट्टी सौंपी है। यही बच्चे देश के भविष्य और कर्णधार हैं। इसलिए शिक्षक की नैतिक जिम्मेदारी है कि उन्हें राष्ट्र और धर्म के प्रति समर्पित नागरिक के रूप में तैयार करें। उन्होंने कहा कि जन्म देने वाले माता-पिता के बाद गुरु का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। पं. विपिन बिहारी ने कहा कि विद्यालय में पढ़ाई का माध्यम चाहे जो हो, विद्यार्थियों में शिक्षकों और माता-पिता के प्रति सम्मान तथा भारतीय सनातन परंपराओं के प्रति आस्था होना आवश्यक है। अनुशासन के लिए भय नहीं, बल्कि संस्कार और जिम्मेदारी जरूरी है।

तीन फायर कर भागने की कोशिश, पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हुआ शिवांजय

शराब कांड का इनामी आरोपी मुठभेड़ में दबोचा गया, पैर में लगी गोली

सागर। दोपहर मेट्रो

बंडा जहरीली शराब कांड में फरार चल रहे 30 हजार रुपए के इनामी आरोपी शिवांजय राजपूत को सागर पुलिस ने तड़के मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बंडा थाना क्षेत्र के ग्राम छापरी का रहने वाला है और उसके खिलाफ पहले से तीन आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था।

पुलिस को सूचना मिली थी कि शिवांजय बहरोल थाना क्षेत्र के कठुआ नाला के जंगल से होकर अपने गांव छापरी जाने वाला है। सूचना पर बांदरी और बहरोल थाना पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र की घेराबंदी कर सर्चिंग शुरू की।

पुलिस टीम को देखते ही आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी। उसने पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर तीन फायर किए। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दो राउंड फायर किए, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे सुरक्षित गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी के कब्जे से 315 बोर का देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, तीन खाली कारतूस, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल बरामद हुई है। हथियार के संबंध में अलग से वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जंगल में घेराबंदी, फिर शुरू हुई मुठभेड़

पुलिस को तड़के सूचना मिली कि बंडा जहरीली शराब कांड का आरोपी शिवांजय राजपूत बहरोल थाना क्षेत्र के कठुआ नाला के जंगल से होकर अपने गांव छापरी की ओर जा सकता है। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बांदरी थाना प्रभारी सतेन्द्र सिंह और बहरोल थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह अपनी-अपनी टीमों के साथ मौके पर पहुंचे। संभावित रास्तों की घेराबंदी कर जंगल में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान पुलिस टीम की नजर आरोपी पर पड़ी। पुलिस के अनुसार, घिरता देखकर शिवांजय ने पुलिस टीम पर तीन फायर कर दिए। जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा के लिए दो राउंड चलाए। इसमें आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

कट्टा, छह कारतूस और बाइक बरामद

मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किए गए आरोपी शिवांजय राजपूत के कब्जे से पुलिस ने 315 बोर का देशी कट्टा बरामद किया है। इसके अलावा तीन जिंदा कारतूस और तीन खाली कारतूस भी मिले हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल भी जब्त की है। बरामद हथियार और कारतूस को जांच के लिए सुरक्षित किया गया है। पुलिस आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की भी पड़ताल कर रही है। शिवांजय के खिलाफ पहले से तीन आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। जहरीली शराब कांड के बाद से वह पुलिस की गिरफ्त से बाहर था और उसकी गिरफ्तारी पर 30 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। अब पुलिस उससे शराब कांड से जुड़े अन्य पहलुओं पर पूछताछ कर रही है।

जहरीली शराब कांड के मास्टरमाइंड मनीष लोधी पर एक और मामला दर्ज, असली पहचान छिपाकर ली थी शराब दुकान

सागर। बंडा-शाहगढ़ क्षेत्र में अवैध जहरीली शराब बनवाने के मामले में पुलिस ने मास्टरमाइंड मनीष उर्फ यशवंत लोधी के खिलाफ एक और आपराधिक मामला दर्ज किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपनी वास्तविक पहचान और आपराधिक रिकॉर्ड छिपाकर दूसरे नाम से बरेठी शराब दुकान हासिल की थी। सहायक जिला आबकारी अधिकारी मृत्युंजय सिंह के आवेदन पर बंडा थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

जहरीली शराब मामले की एफआईआर में मनीष लोधी और यशवंत सिंह ठाकुर के नाम अलग-अलग सामने आए थे। जांच आगे बढ़ने पर दोनों नाम एक ही व्यक्ति के होने का खुलासा हुआ। इसके बाद आरोपी के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी जुटाई गई। जांच में पता चला कि मनीष लोधी पिता कोमल सिंह लोधी, निवासी बंडा के खिलाफ वर्ष 2010 से 2012 के बीच 11 आपराधिक मामले दर्ज थे। इनमें बंडा थाने में 10 और बरायठा थाने में वर्ष 2012 में एक मामला दर्ज हुआ था। इसके बावजूद आरोपी ने आबकारी विभाग के समक्ष अपनी वास्तविक पहचान और आपराधिक रिकॉर्ड जाहिर नहीं किया और यशवंत सिंह ठाकुर के नाम से बरेठी शराब दुकान ले ली।

कलेक्टर के निर्देश पर माफियाओं, अतिक्रमणकारियों के खिलाफ लगातार तीसरे दिन हुई बड़ी कार्रवाई

एनएचएआई की जमीन पर चला बुलडोजर, पाथवे रिसॉर्ट सत्यम ढाबे पर हुई कार्रवाई

सागर। जिले में अवैध कब्जों, भू-माफियाओं, मिलावटखोरी और अवैध शराब के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर तीसरे दिन प्रशासन, पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने हाईवे क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान एनएचएआई की शासकीय भूमि को कब्जामुक्त कराया गया।

ग्राम रूसल्ला में एनएचएआई की भूमि पर पाथवे रिसॉर्ट प्रबंधन द्वारा कथित रूप से बाउंड्रीवॉल, भव्य गेट और अन्य पक्के निर्माण किए गए थे। एनएचएआई की ओर से पूर्व में नोटिस दिए जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसके बाद भारी पुलिस बल की मौजूदगी में प्रशासन ने अवैध निर्माण ध्वस्त कर भूमि एनएचएआई को सुपुर्द कर दी। मौजा बामोरा में राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि पर सत्यम ढाबे द्वारा बनाई गई करीब 4500 वर्गफीट की सीसी पार्किंग, सामने का अतिक्रमण और 595 वर्गफीट का शेड हटाया गया। मौके पर संचालित ईवी चार्जिंग स्टेशन को भी सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान राजस्व और प्रशासनिक दल ने दस्तावेजों की जांच की। इसके बाद मुनमुन ढाबे को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। प्रशासन की कार्रवाई सागर, मकरोनिया, बहेरिया और रूसल्ला हाईवे क्षेत्र में लगातार जारी है। टीम में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी भी शामिल रहे।

न्यूज विंडो

छतरपुर : आधी रात आंगन में मिला 10 फीट लंबा अजगर, मचा हड़कंप

छतरपुर। शहर की छत्रसाल नगर कॉलोनी में एक घर के आंगन में करीब 8 से 10 फीट लंबा अजगर मिलने से हड़कंप मच गया। अजगर कुछ खाकर आंगन में ही आराम कर रहा था। अचानक इतने बड़े सांप को देखकर परिवार के लोग घबरा गए और तत्काल डायल-112 पर सूचना दी। जानकारी के अनुसार दीनदयाल पाल रात करीब बाथरूम जाने के लिए उठे थे। इसी दौरान उनकी नजर आंगन में पड़े विशाल अजगर पर पड़ी। उन्होंने तत्काल परिवार के अन्य सदस्यों को सूचना दी। इसके बाद डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और सर्पमित्र को बुलाया गया। रात करीब 12:30 बजे सर्पमित्र आकाश सिंह राठौड़ को सूचना मिली। वह करीब 15 मिनट में मौके पर पहुंचे। उन्होंने सावधानी के साथ अजगर को पकड़ने की प्रक्रिया शुरू की। काफी मशक्कत के बाद उन्होंने अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। इस दौरान विशाल अजगर को देखने के लिए आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।

ग्राम पंचायत नौराज की सरपंच के वित्तीय अधिकार सीज, 7.49 लाख रुपए के गबन का आरोप

सागर। जिला पंचायत सागर ने कार्यवाही करते हुए जनपद पंचायत शाहगढ़ की ग्राम पंचायत नौराज की सरपंच राजकुमारी राजपूत के विरुद्ध 7.49 लाख रुपए के गबन के आरोप के चलते उनके वित्तीय आहरण एवं संवितरण अधिकारों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत जगदीश कुमार गोमे द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जनपद पंचायत शाहगढ़ से प्राप्त जांच प्रतिवेदन के परीक्षण में पाया गया कि ग्राम पंचायत नौराज में कराए गए निर्माण कार्यों में सरपंच द्वारा रू. 7,49,079/- (सात लाख उनचास हजार उन्यासी रुपये) का प्रथम दृष्टया प्रभक्षण / दुरुपयोग किया गया है। उक्त प्रकरण पर म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। आदेश में उल्लेख है कि निर्धारित सुनवाई के दौरान ग्राम पंचायत सचिव डालसिंह लोधी के कथन एवं पंचायत के दस्तावेजों के परीक्षण में गंभीर वित्तीय अनियमितता सामने आई। इसी को दृष्टिगत रखते हुए न्यायालय विहित प्राधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा यह प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

महापुरुषों के विचार और उनका जीवन समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत: तोमर

विसअध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने 22 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

सागर। दोपहर मेट्रो

मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में खुरई में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर खुरई स्थित पार्क में स्थापित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा का अनावरण भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि महापुरुषों के विचार और उनका जीवन समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहता है। उन्होंने कहा कि खुरई में विकास कार्यों के साथ-साथ नागरिकों की सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को देश के महापुरुषों के योगदान और उनके समर्पण से जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर क्षेत्र में 22 करोड़ की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया। इसमें 12 करोड़ की लागत से निर्मित खुरई का नवीन नगर पालिका भवन, मिडवे रिट्रीट तथा गुरु तेग बहादुर चौराहे के उन्नयन व विकास कार्य शामिल हैं। सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह ने खुरई में सर्वांगीण विकास कर यहां की तस्वीर बदल दी। उन्होंने खुरई में विभिन्न पार्कों में देश के महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित की हैं जिनसे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलती रहेगी। विधायक भूपेंद्र सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा का बीजारोपण किया, उसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के सिद्धांत से आगे बढ़ाया और बाद में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने संवाद एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया।

छुट्टी के दिन कमला नर्सिंग कॉलेज में निरीक्षण, कार्रवाई पर उठे सवाल

कलेक्टर से निष्पक्ष जांच, भौतिक सत्यापन की मांग

उमरिया। दोपहर मेट्रो

आदिवासी ब्लॉक पाली में संचालित कमला नर्सिंग कॉलेज की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवालों के बीच छुट्टी के दिन निरीक्षण करने पहुंची टीम की कार्रवाई भी चर्चा में है। बताया जा रहा है कि एपीएस रीवा से टीम कॉलेज के निरीक्षण के लिए पहुंची थी। अचानक किए गए निरीक्षण को लेकर स्थानीय स्तर पर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निरीक्षण के संबंध में कॉलेज प्रबंधन को पहले से सूचना मिलने की बात सामने आ रही है। ऐसे में निरीक्षण की प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि संस्थान की वास्तविक स्थिति का भौतिक सत्यापन करना है तो बिना पूर्व सूचना के निरीक्षण अधिक प्रभावी हो सकता है। कॉलेज से जुड़े कुछ लोगों और स्थानीय स्तर पर विद्यार्थियों से पहले ही चेक लिए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। आरोप है कि छात्रवृत्ति की राशि विद्यार्थियों के बैंक खातों में पहुंचने के बाद चेक के माध्यम से राशि वापस लेने की व्यवस्था की जाती है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो इससे छात्रवृत्ति योजना के उद्देश्य और विद्यार्थियों के हितों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो सकते हैं। ऐसे में विद्यार्थियों के बैंक खातों और छात्रवृत्ति भुगतान की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है।

कलेक्टर से की जांच की मांग

स्थानीय लोगों ने कलेक्टर से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच और निष्पक्ष भौतिक सत्यापन कराने की मांग की है। उनका कहना है कि नर्सिंग संस्थानों की जांच केवल दस्तावेजों तक सीमित न रहे, बल्कि कॉलेज भवन, छात्रावास, विद्यार्थियों की वास्तविक उपस्थिति, प्रशिक्षण व्यवस्था, बैंक खातों और छात्रवृत्ति भुगतान सहित सभी पहलुओं की जांच की जाए। कॉलेज प्रबंधन का पक्ष सामने आने पर उसे भी खबर में प्रमुखता से शामिल किया जाएगा।

लाजपतपुरा वार्ड में जर्जर भवन पर चला निगम का बुलडोजर

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर पालिक निगम अंतर्गत शहर में सर्वे के माध्यम से जर्जर, अति-जर्जर और खतरनाक भवन चिन्हित कर गिराने की कार्यवाही तेज की गई है। शनिवार को निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने लाजपतपुरा वार्ड पहुंचकर वार्ड पार्षद, एवं अन्य की उपस्थिति में अति-जर्जर और खतरनाक भवन का निरीक्षण किया और सामने खड़े होकर उक्त भवन की रोड साइड दीवारों को नगर निगम के बुलडोजर की मदद से जमीदोज कराया। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से सबसे पहले उक्त सम्पूर्ण जर्जर भवन का सघन निरीक्षण कराया और भवन को खाली कराया गया। भवन की छत से जुड़े टीन सेड आदि को अलग कराने के पश्चात सुरक्षित रूप से भवन की दीवारों को गिराया गया। चूकि उक्त भवन लाजपतपुरा वार्ड, शनीचरी वार्ड और कृष्णगंज वार्ड पहुंचमार्गो के जंक्शन पर स्थित है और सकरा सड़कमार्ग होने के कारण यहाँ अप्रिय घटना होने की आशंका बनी रहती थी। शहर में अप्रिय घटनायें न होने पावें और किसी भी प्रकार की जान माल की हानि न हो इस उद्देश्य से निगमायुक्त श्री राजकुमार खत्री ने शहर में ऐसे तमाम जर्जर, अति-जर्जर और खतरनाक भवन चिन्हित कर गिराने की कार्यवाही तेजी से कराने के लिए स्वयं मोर्चा सम्हाला है। इसके साथ ही उन्होंने कृष्णगंज वार्ड, शनीचरी वार्ड व लाजपतपुरा वार्ड में पैदल निरीक्षण किया।

धार : दामाद ने को चाकू मार की ससुर की हत्या

बगड़ी/नालछा (धार)। पत्नी को लेने ससुराल पहुंचे दामाद ने विवाद के बाद अपने ससुर पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल ससुर की इंदौर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। आरोपी ने अपनी पत्नी और दादी सास पर भी चाकू से हमला किया, जिसमें दोनों गंभीर घायल हो गईं। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर

चावरा विद्यापीठ में सात विद्यालयों के प्राचार्य व शिक्षकों ने लिया प्रशिक्षण

सीबीएसई प्रशिक्षण में शिक्षकों ने सीखी शिक्षा की नई तकनीकें

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

चावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर में सीबीएसई द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में नरसिंहपुर एवं आसपास के सात विद्यालयों के प्राचार्यों और शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में चावरा विद्यापीठ, आरडीडब्ल्यूएस, आरडीपीएस, कार्मेल विद्यालय, सियाल विद्यालय, न्यू एज पब्लिक स्कूल तथा पीएनपी गोटेगांव के प्रतिनिधि शामिल हुए।

प्रशिक्षण के दौरान जीवन कौशल, गणित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। शिक्षकों को विद्यार्थियों में जीवन कौशल विकसित करने, गणित को सरल एवं प्रभावी तरीके से पढ़ाने तथा शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से जुड़ी जानकारी दी गई। संसाधन व्यक्तियों के रूप में श्रीमती बिनी संतोष, ऋषभ कुमार जैन, श्रीमती भावना श्रीवास्तव, हरप्रीत कौर खुराना, प्रियंका उपाध्याय और आशय टंडन ने विभिन्न सत्रों का संचालन किया। उन्होंने गतिविधि आधारित एवं सहभागितापूर्ण शिक्षण के माध्यम से विषयों की व्यावहारिक जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने विभिन्न गतिविधियों, चर्चाओं और अभ्यासों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में बदलती शिक्षा व्यवस्था के अनुरूप शिक्षकों के कौशल विकास और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया।

इस अवसर पर चावरा विद्यापीठ के प्राचार्य फादर वर्गीस, पीएनपी गोटेगांव की प्राचार्या शीतल पारिहार, आरडीडब्ल्यूएस नरसिंहपुर की प्राचार्या सोनाली धोरेलिया सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षक उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने सभी संसाधन व्यक्तियों और सहभागी विद्यालयों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी परियोजना खण्ड क्रमांक-2

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, जल विहार कालोनी, कोलार रोड, भोपाल, ई मेल eephedcp2bpl@mp.gov.in

निविदा क्र. 81,82,83,84,85,86,87,88,89/का.यं. / रा.परि. खण्ड-2/ लोस्वायांवि / भोपाल दिनांक 09/09/26

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य की निविदा ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://mptenders.gov.in पर आमंत्रित है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रूपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2026_PHED_534564	Replacement of sewer line in place of broken sewer line and constructions of manholes at E-5, Arera Colony Sewer Network, Bhopal	3,78,986=00	7,580=00	2,000-00	30 Days Including rainy season
2	2026_PHED_534565	Providing and laying of 250 mm dia RCC sewer line and reconstruction of fully damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line at Khanugaon squire to Aksha Masjid, Bhopal	8,11,385=00	16,228=00	2,000-00	30 Days Including rainy season
3	2026_PHED_534568	Rising and Repairing of damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line at Nimwali guli area Section-C of Sub Dn-6, Bhopal	7,37,521=00	14,750=00	2,000-00	30 Days Including rainy season
4	2026_PHED_534569	Repairing of damaged manhole chamber with cleaning of manholes and sewer line at E-4, Arera colony, Section No. 1 Network Area Bhopal	6,50,353=00	13,007=00	2,000-00	30 Days Including rainy season
5	2026_PHED_534570	Repairing and Rising of damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line at Section No. 6 of Sub Division No.05 PHED Bhopal	7,87,939=00	15,759=00	2,000-00	30 Days Including rainy season
6	2026_PHED_534571	Reconstruction of damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line at Professor colony under Sub division No.06, Bhopal	7,99,612=00	15,992=00	2,000-00	30 Days Including rainy season
7	2026_PHED_534572	Cleaning and De silting of Wet well, Sumps and sewage chambers at Old Shahpura sewage Pump House, Bhopal	5,34,373=00	10,687=00	2,000-00	30 Days Including rainy season
8	2026_PHED_534573	Reconstruction of fully damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line at Sajida Nagar Sewage Network, Bhopal	7,51,036=00	15,021=00	2,000-00	30 Days Including rainy season
9	2026_PHED_534574	Providing Tata Indigo Car/any other (Taxi) cost up to 7.00 lakh on hire charges without Diesel/Petrol/CNG for A.E. C.P. Sub Div.No. 6 P.H.E.D. Bhopal as inspection vehicle.	3,37,749=00	6,755=00	2,000-00	30 Days Including rainy season

• निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। • निविदा संशोधन केवल वेबसाइट पर ही दर्शाया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। • निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि 24.09.2026 है।

G- 18475/25

कार्यपालन यंत्री, राजधानी परियोजना खण्ड क्र.-2. लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल

सबालेंका का सपना तोड़ रिबाकिना ने रचा नया इतिहास

इतिहास रच पहली बार जीता यूएस ओपन, गेम में दिया संयम का परिचय

न्यूयार्क, एजेंसी

कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आर्यना सबालेंका को हराकर यूएस ओपन 2026 महिला एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। शनिवार को न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में विश्व नंबर-1 रिबाकिना ने विश्व नंबर-2 सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से शिकस्त दी। 2 घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में रिबाकिना ने अपनी तेज सर्विस, दमदार ग्राउंडस्ट्रोक और दबाव में बेहतरीन संयम का परिचय दिया। खास बात यह रही कि उन्होंने खिताबी मुकाबले का अंत भी अपने सबसे बड़े हथियार ऐस के साथ किया। यह रिबाकिना का पहला यूएस ओपन खिताब और करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है।

आर्यना सबालेंका के पास इस फाइनल में इतिहास रचने का बड़ा मौका था। वह लगातार तीसरी बार यूएस ओपन खिताब जीतने की दहलीज पर खड़ी थीं। यदि वह रिबाकिना को हरा देतीं तो ओपन एरा में लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली चुनिंदा महिला खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो जातीं। लेकिन रिबाकिना ने बेलारूसी खिलाड़ी की इस ऐतिहासिक कोशिश पर पानी फेर दिया। रिबाकिना पिछले कुछ समय से सबालेंका के लिए बड़ी चुनौती साबित हुई हैं। उन्होंने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स और इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी सबालेंका को मात दी थी। इसके बाद उन्होंने विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। अब यूएस ओपन के फाइनल में जीत दर्ज कर रिबाकिना ने सबालेंका के खिलाफ अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है।

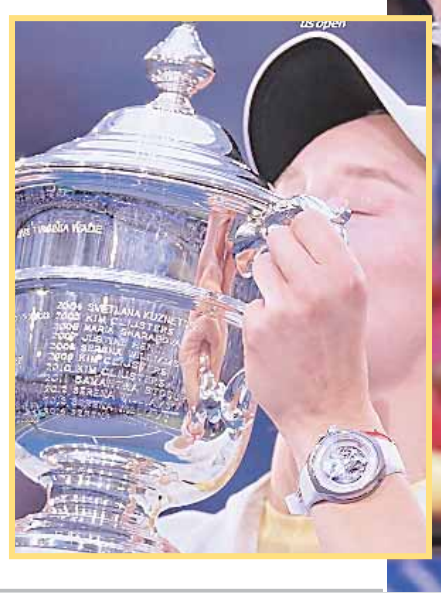

पहले सेट में रिबाकिना ने बनाया दबाव

मुकाबले की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सर्विस बचाई। हालांकि रिबाकिना लगातार सबालेंका पर दबाव बनाने में सफल रहीं। 2-2 के स्कोर पर उन्हें ब्रेक का मौका मिला और उन्होंने इसका फायदा उठाते हुए सबालेंका की सर्विस तोड़कर 3-2 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद रिबाकिना ने अपनी सर्विस पर शानदार नियंत्रण बनाए रखा। सबालेंका ने वापसी की कोशिश की, लेकिन रिबाकिना की तेज सर्विस और सटीक शॉट्स के सामने उन्हें लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ा। 5-4 पर रिबाकिना सेट के लिए सर्व करने उतरीं और बिना घबराए पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में सबालेंका ने जोरदार वापसी की। रिबाकिना ने कई बार दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन सबालेंका ने अहम मौकों पर ब्रेक प्वाइंट बचाए और अपनी लय वापस हासिल कर ली। 4-4 के बाद मुकाबला बेहद कांटेदार हो गया। रिबाकिना ने 4-5 पर दो ब्रेक प्वाइंट बचाकर स्कोर 5-5 कर दिया।

निर्णायक सेट में रिबाकिना का तूफानी खेल

तीसरे सेट की शुरुआत में सबालेंका ने लंबा सर्विस गेम जीतकर दबाव कम करने की कोशिश की, लेकिन रिबाकिना ने आक्रामक तेवर बनाए रखे। 2-1 के बाद उन्होंने सबालेंका की सर्विस तोड़कर महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। इसके बाद अपनी सर्विस बचाते हुए उन्होंने स्कोर को मजबूत किया। सबालेंका ने 2-3 का स्कोर किया, लेकिन रिबाकिना ने उन्हें वापसी का कोई बड़ा मौका नहीं दिया। 4-2 पर एक और ब्रेक हासिल करते ही रिबाकिना ने खिताब लगभग अपनी मुट्ठी में कर लिया। इसके बाद 5-2 पर वह चैंपियनशिप के लिए सर्व करने उतरीं।

ऐस के साथ खत्म हुआ फाइनल, रिबाकिना हुईं भावुक

निर्णायक गेम में रिबाकिना से कुछ गलतियां हुईं, लेकिन उन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया। चैंपियनशिप प्वाइंट पर उन्होंने जोरदार ऐस लगाकर मुकाबला खत्म किया। इसके साथ ही उन्होंने पहली बार यूएस ओपन ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। जीत के तुरंत बाद रिबाकिना ने अपना रैकेट गिराया, दोनों हाथ हवा में उठाए और कुछ पल तक भावुक होकर कोर्ट पर खड़ी रहीं। दूसरी ओर सबालेंका इस हार से बेहद निराश नजर आईं। खिताब हाथ से निकलने के बाद उन्होंने गुस्से में अपना रैकेट तोड़ दिया। इस तरह रिबाकिना ने न सिर्फ अपना पहला यूएस ओपन खिताब जीता, बल्कि सबालेंका के ऐतिहासिक थ्री-पीट का सपना भी चकनाचूर कर दिया।

टी-20 सीरीज : दिल्ली में आज भिड़ेंगे भारत-अफगानिस्तान

जीत के साथ सीरीज शुरू करने उतरेगी टीम इंडिया, 15 साल के वैभव पर नजरें

नई दिल्ली , एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 की तैयारियों के लिहाज से भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज बेहद अहम होने वाली है। सीरीज का पहला मुकाबला आज दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें इस मुकाबले के जरिए अपनी ताकत, रणनीति और टीम कॉम्बिनेशन को परखने के साथ-साथ छोटे फॉर्मेट में अपनी तैयारियों को धार देना चाहेंगी। भारतीय टीम की नजर जहां जीत के साथ सीरीज का आगाज करने पर होगी, वहीं अफगानिस्तान भारत के खिलाफ अपने रिकॉर्ड को बेहतर करने के इरादे से मैदान में उतरेगा।

भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक 9 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारतीय टीम ने 8 मुकाबलों में जीत हासिल की है, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा। आंकड़े भारत के पक्ष में हैं, लेकिन अफगानिस्तान की टीम में ऐसे कई मैच विनर मौजूद हैं जो किसी भी मुकाबले का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं।

अय्यर की कप्तानी में जीत की तलाश में टीम इंडिया

नई टी20 साइकिल में भारतीय टीम का सफर पूरी तरह एकतरफा नहीं रहा है। टीम को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपनी क्षमता दिखाई थी। अब श्रेयस अय्यर की अगुवाई में टीम की कोशिश दिल्ली में जीत के साथ नई सीरीज का शानदार आगाज करने की होगी। भारतीय स्क्वॉड में अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिल रहा है। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी जहां आक्रामक बल्लेबाजी से मुकाबले का रुख बदल सकते हैं, वहीं जसप्रीत बुमराह की मौजूदगी भारतीय गेंदबाजी को मजबूती देती है। तिलक वर्मा, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर जैसे ऑलराउंड विकल्प भी टीम को संतुलन प्रदान करते हैं।

प्लेइंग इलेवन पर भी रहेगा दारोमदार

इस मुकाबले में सबसे ज्यादा चर्चा युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर हो सकती है। महज 15 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखने वाले वैभव के लिए यह सीरीज खुद को साबित करने का बड़ा मंच है। उनके साथ यश ठाकुर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती और अर्शदीप सिंह जैसे खिलाड़ियों पर भी टीम को मजबूती देने की जिम्मेदारी होगी। प्लेइंग इलेवन में किसे मौका मिलता है, यह मुकाबले से पहले सबसे बड़ा सवाल होगा।

राशिद खान की फिरकी से बचना होगी भारत की चुनौती

अफगानिस्तान की टीम भले ही भारत के खिलाफ आंकड़ों में पीछे हो, लेकिन उसके पास विश्व स्तरीय टी20 खिलाड़ी मौजूद हैं। कप्तान इब्राहिम जादरान के साथ रहमानुल्लाह गुरबाज और सेदिकुल्लाह अटल टीम को तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे। मध्यक्रम में अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब और मोहम्मद नबी जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं।

'आईपीएल जैसा टैलेंट क्यों नहीं दे पाया पीएसएल?'

वसीम अकरम ने पीसीबी को घेरा, वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण देकर उठाए सवाल

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट में युवा बल्लेबाजी प्रतिभाओं को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और घरेलू क्रिकेट व्यवस्था पर तीखा निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि आखिर एक दशक पूरा होने के बावजूद पाकिस्तान सुपर लीग ऐसी बल्लेबाजी प्रतिभा क्यों नहीं दे सकी, जैसी भारतीय क्रिकेट को इंडियन प्रीमियर लीग से मिली है। अकरम ने अपनी बात को समझाने के लिए भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण दिया। लाहौर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान वसीम अकरम ने कहा कि पाकिस्तान सुपर लीग को शुरू हुए करीब दस वर्ष हो चुके हैं। इस दौरान इस प्रतियोगिता ने पाकिस्तान को कई अच्छे गेंदबाज जरूर दिए, लेकिन बल्लेबाजी के क्षेत्र में अब तक ऐसी बड़ी प्रतिभा सामने नहीं आई, जो लंबे समय तक राष्ट्रीय टीम की मजबूत कड़ी बन सके। अकरम के सवाल सीधे पाकिस्तान की घरेलू क्रिकेट व्यवस्था पर हैं। उनका मानना है कि केवल बड़ी क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित करने से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार नहीं होते। युवा खिलाड़ियों को शुरुआती स्तर से ही बेहतर सुविधाएं, मजबूत प्रतिस्पर्धा और उचित मार्गदर्शन देना जरूरी है।

वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण देकर घेरा

वसीम अकरम ने भारत के 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का जिक्र करते हुए कहा कि कम उम्र में ही जिस तरह यह खिलाड़ी अपनी बल्लेबाजी क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है, पाकिस्तान को भी ऐसे ही युवा बल्लेबाज तलाशने और उन्हें तराशने की जरूरत है। वैभव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और बड़े गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ अंदाज के कारण कम उम्र में ही चर्चा में आ चुके हैं। अकरम ने इसी तरह की प्रतिभा को पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य के लिए जरूरी बताया। हालांकि बातचीत के दौरान अकरम ने वैभव की उम्र 14 वर्ष बताई, जबकि भारतीय बल्लेबाज अब 15 वर्ष के हैं। उम्र को लेकर उनकी यह जानकारी गलत थी, लेकिन उनका मुख्य सवाल युवा प्रतिभाओं को तैयार करने की व्यवस्था पर केंद्रित रहा।

क्लब क्रिकेट को मजबूत करने पर जोर| वसीम अकरम ने कहा कि पाकिस्तान को केवल पाकिस्तान सुपर लीग पर निर्भर रहने के बजाय क्लब क्रिकेट की बुनियादी व्यवस्था को मजबूत करना होगा। उनके मुताबिक बड़ी संख्या में खिलाड़ी क्लब क्रिकेट से निकलते हैं और अगर जमीनी स्तर की व्यवस्था कमजोर रही तो राष्ट्रीय टीम के लिए लगातार प्रतिभाशाली खिलाड़ी तैयार करना मुश्किल होगा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

नेहा धूपिया ने खोला मां बनने के बाद का राज

'जीत-हार से नहीं डरती, लेकिन बच्चों की तबीयत बिगड़ते ही घबरा जाती हूं'

मुंबई। अभिनेत्री और चर्चित गैंग लीडर नेहा धूपिया जल्द ही रियलिटी शो 'रोडीज रीबर्थ' के 20वें संस्करण में नजर आने वाली हैं। पर्दे पर अपने बेबाक अंदाज और मजबूत व्यक्तित्व के लिए पहचानी जाने वाली नेहा ने इस बार अपनी निजी जिंदगी के उस पहलू पर खुलकर बात की, जहां उनका आत्मविश्वास भी कमजोर पड़ जाता है। अभिनेत्री ने बताया कि मां बनने के बाद उनके भीतर बच्चों को लेकर चिंता और घबराहट काफी बढ़ गई है।

बच्चों की चिंता के आगे फीका पड़ जाता है आत्मविश्वास

नेहा धूपिया ने बातचीत में कहा कि पेशेवर जिंदगी में सफलता या असफलता उन्हें ज्यादा परेशान नहीं करती। वह जीत और हार को सहजता से स्वीकार करती हैं और लोगों की राय को लेकर भी ज्यादा चिंतित नहीं रहतीं। लेकिन जब बात उनके बच्चों की सेहत की आती है तो उनका आत्मविश्वास पूरी तरह डगमगा जाता है। अभिनेत्री ने बताया कि बच्चों को बुखार आ जाए या उनकी तबीयत थोड़ी भी खराब हो, तो वह बेहद परेशान हो जाती हैं। उनके मुताबिक मां बनने के बाद उनके लिए सबसे बड़ी चिंता यही रह गई है कि उनके बच्चे स्वस्थ और सुरक्षित रहें।

'मां बनने के बाद बहुत घबराने लगी हूं'

नेहा ने कहा कि जिंदगी में अब तक ऐसी बहुत कम चीजें रही हैं, जिनसे उन्हें घबराहट हुई हो। चाहे काम में हार हो या जीत, किसी बहस में सही या गलत साबित होना हो या फिर कोई उनके बारे में क्या सोचता है—इन सब बातों ने उन्हें कभी ज्यादा प्रभावित नहीं किया। उनका मानना है कि जिंदगी बहुत छोटी है और हर परिस्थिति को लेकर जरूरत से ज्यादा चिंता करने का कोई फायदा नहीं। लेकिन बच्चों की बात आते ही उनका यही आत्मविश्वासी रवैया बदल जाता है।

इंटरव्यू के दौरान भी बच्चों की चिंता

नेहा ने अपनी स्थिति को बेहद भावुक अंदाज में बताते हुए कहा कि जब वह बातचीत कर रही होती हैं, तब भी उनके दिमाग का बड़ा हिस्सा बच्चों के बारे में ही सोचता रहता है। उन्होंने बताया कि एक ओर वह पूरी तरह आत्मविश्वास के साथ बातचीत कर रही होती हैं, लेकिन दूसरी ओर उनके मन में बच्चों की सेहत और उनकी जरूरतों को लेकर लगातार विचार चलते रहते हैं। अभिनेत्री ने अपने पति की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उनके जीवनसाथी बच्चों की जिम्मेदारी संभालने में उनका पूरा साथ देते हैं।

सिस्टर्स गोल, करीना कपूर ने रीक्रिएट किया बहन करिश्मा का आइकॉनिक जुबैदा लुक

मुंबई। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने अपनी अपकमिंग फिल्म दायरा के प्रमोशन के दौरान बहन करिश्मा कपूर के यादगार फैशन मोमेंट को रीक्रिएट किया। दरअसल, अभिनेत्री ने बहन करिश्मा कपूर के जुबैदा लुक को रीक्रिए किया।

इस लुक की तुलना करते हुए करीना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अपनी और करिश्मा की जुबैदा वाली तस्वीर का एक कोलाज शेयर किया। उनकी तस्वीर के साथ फिल्म जुबैदा से करिश्मा कपूर की एक तस्वीर है, जिसमें उन्हें फूलों का गुच्छा पकड़े हुए वैसी ही मल्टीकलर साड़ी में देखा जा सकता है। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, ÷मुझे हमेशा से पता था कि हमारी पसंद अच्छी है... सिस्टर्स फॉरएवर। करिश्मा ने फिल्म जुबैदा के गाने धीमे धीमे गाऊं में यह आइकॉनिक साड़ी पहनी थी। इस गाने को ए.आर. रहमान ने कंपोज किया था और कविता कृष्णमूर्ति ने गाया था। श्याम बेनेगल की इस फिल्म में करिश्मा इसी लुक में नजर आई थीं।

राजस्थानी पारंपरिक समुद्र लेहरिया प्रिंट वाली यह मल्टीकलर साड़ी फिल्म के सबसे यादगार और सदाबहार फैशन लुक्स में से एक मानी जाती है। इसके साथ करिश्मा ने एक सिंपल ब्लाउज और पर्ल ज्वेलरी कैरी किए थे। फिल्म दायरा की बात करें, तो इसे मेघना गुलजार ने निर्देशित किया है, लेखन यश केसवानी, सीमा अग्रवाल और मेघना गुलजार ने किया है। वहीं, जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज मिलकर प्रोड्यूस करेंगे। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म अपराध, सजा, त्वरित न्याय बनाम विलंबित न्याय और दो पुलिस अधिकारियों की अलग-अलग सोच के इर्द-गिर्द घूमती है सच्ची घटनाओं से प्रेरित, दायरा जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज के बीच पहला कोलैबोरेशन है।

मेट्रो बाजार

जोमैटो ने कैश ऑन डिलीवरी पर शुरू किया अतिरिक्त शुल्क

नई दिल्ली । ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अब कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) विकल्प चुनने वाले ग्राहकों से 5 रुपए से 20 रुपए तक का अतिरिक्त शुल्क लेना शुरू कर दिया है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और राजस्व स्रोतों को मजबूत करने की रणनीति के तहत कंपनी अब ऑर्डर के दौरान भुगतान के तरीके से भी कमाई करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

कंपनी के ऐप पर दिखाई देने वाले बिल विवरण के अनुसार, पे ऑन डिलीवरी फीस नाम से यह शुल्क अलग से जोड़ा जा रहा है। यह शुल्क केवल उन ग्राहकों पर लागू हो रहा है जो ऑनलाइन भुगतान के बजाय डिलीवरी के समय नकद भुगतान का विकल्प चुनते हैं। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकांश मामलों में यह शुल्क 5 रुपए है, हालांकि कुछ ऑर्डरों में ग्राहकों से 7 रुपए और कुछ मामलों में 20 रुपए तक भी वसूले गए हैं।

यह नया शुल्क जोमैटो के पहले से लागू प्लेटफॉर्म शुल्क, रेस्तरां द्वारा लिए जाने वाले पैकेजिंग शुल्क और जीएसटी से अलग है। यानी कैश ऑन डिलीवरी विकल्प चुनने वाले ग्राहकों को अब कुल बिल में एक अतिरिक्त राशि भी चुकानी पड़ेगी। वहीं, ऑनलाइन भुगतान करने वाले ग्राहकों से यह शुल्क नहीं लिया जा रहा है। जोमैटो प्रतिदिन लगभग 23 लाख से 25 लाख फूड ऑर्डर प्रोसेस करता है। ऐसे समय में जब रैपिडो का फूड डिलीवरी ब्रांड ओनली तेजी से बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है और फ्लिपकार्ट भी अपने ईट इन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म का परीक्षण कर रहा है, जोमैटो नए राजस्व स्रोतों की तलाश में है।

सेबी ने डेरिवेटिव्स सेटलमेंट और सीएएस फेमवर्क में बदलाव का दिया प्रस्ताव

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शनिवार को जारी किए कंसल्टेशन पेपर में डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट्स की प्रणाली, बाजार की टाइमिंग और अगस्त में लागू हुए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के परिचालन में बदलाव का प्रस्ताव दिया है।

बाजार नियामक ने प्रस्ताव में एक्सपायरी के दिनों में इंडेक्स और सिंगल-स्टॉक डेरिवेटिव्स की सेटलमेंट कीमत तय करने के लिए दो विकल्प सुझाए हैं। पहले विकल्प के तहत, सेबी ने ब्लेंडेड वीडब्ल्यूएपी-(वॉल्यूम-वेटेड एवरेज प्राइस) का तरीका सुझाया है, जिसमें सेटलमेंट की कीमत कंटीन्यूअस ट्रेडिंग सेशन (सीटीएस) के आखिरी 30 मिनट और 10 मिनट के सीएएस पीरियड के दौरान हुए ट्रेड के आधार पर तय की जाएगी। सेबी ने कहा कि हर अवधि का योगदान एक तय वेटेज के बजाय उसके असल ट्रेडेड वैल्यू से तय किया जाएगा। नियामक ने कहा कि इस तरीके से असल मार्केट ट्रांजैक्शन की एक बड़ी अवधि को शामिल किया जा सकेगा और इससे सेटलमेंट की ज्यादा सही कीमत मिल सकती है। दूसरे विकल्प के तहत, सेबी ने मौजूदा सीटीएस वीडब्ल्यूएपी तरीके को अंतरिम व्यवस्था के तौर पर बनाए रखने का प्रस्ताव दिया। सेटलमेंट प्राइस सीटीएस के आखिरी 30 मिनट के दौरान हुए ट्रेड पर ही आधारित रहेगी। बाजार नियामक के अनुसार, कम से कम एक साल बाद मिली-जुली कार्यप्रणाली पर विचार किया जा सकता है, बशर्ते पर्याप्त लिक्विडिटी, भागीदारी और सीएएस से परिचितता हो। सेबी ने सीएएस के दौरान इंडिकेटिव इंडेक्स वैल्यू (आईआईवी) के प्रदर्शन को हटाने का भी प्रस्ताव दिया, जबकि सिक्योरिटी-लेवल इंडिकेटिव इक्विलिब्रियम प्राइस (आईईपी) प्रदान करना जारी रखा जाए।

पहाड़ों के बीच दौड़ती टॉय ट्रेन ने जीता दिल

घने जंगलों और ऊंची पहाड़ियों के बीच नजर आई ऐतिहासिक ट्रेन

नई दिल्ली। दार्जिलिंग की हसीन वादियों में घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ों के बीच दौड़ती टॉय ट्रेन का मनमोहक नजारा इन दिनों लोगों का ध्यान खींच रहा है। भारतीय रेलवे ने सामाजिक माध्यम मंच 'एक्स' पर दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे की टॉय ट्रेन का एक छोटा वीडियो साझा किया है। महज 15 सेकंड के इस वीडियो में पहाड़ों के बीच चलती ट्रेन और उसके आसपास फैली हरियाली का खूबसूरत दृश्य दिखाई दे रहा है। रेलवे का यह वीडियो तेजी से लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है।

पर्यटकों को होता है अलग अहसास

वीडियो में दो डिब्बों वाली टॉय ट्रेन पहाड़ी सड़क के ठीक बगल में बने रेल मार्ग पर चलती नजर आ रही है। दोनों ओर घने जंगल और ऊंची पहाड़ियां इस सफर को और भी खास बना रही हैं। पहाड़ों के बीच घुमावदार रेल मार्ग पर धीरे-धीरे आगे बढ़ती ट्रेन का दृश्य किसी चित्र की तरह दिखाई देता है। दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे अपनी ऐतिहासिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। यहां रेल मार्ग कई जगहों पर पहाड़ी सड़कों के बेहद करीब से गुजरता है। यही वजह है कि इस ट्रेन की यात्रा पर्यटकों के लिए सामान्य रेल सफर से बिल्कुल अलग अनुभव बन जाती है।

मिडिल ईस्ट तनाव: होर्मुज पर ईरान-ओमान की बड़ी सहमति

अमेरिका की बढ़ी चिंता, नए समुद्री रास्ते तय, ईरान की शर्तें पूरी होने तक पूरी तरह नहीं खुलेगा होर्मुज

खाड़ी देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में होगी सुरक्षित जहाजरानी गलियारे पर चर्चा

नई दिल्ली। एजेंसी

पश्चिम एशिया में इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव बना हुआ है। इसी बीच जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को लेकर ईरान और ओमान के बीच नए प्रवेश और निकास मार्गों पर सहमति बन गई है। दोनों देशों के बीच तकनीकी और कूटनीतिक स्तर पर हुई बातचीत के बाद यह समझौता हुआ है। अब सोमवार को ओमान की राजधानी मस्कट में होने वाली बैठक में ईरान और ओमान खाड़ी देशों को इस समझौते से जुड़ी पूरी जानकारी देंगे।

ईरानी वार्ता दल के करीबी सूत्रों के अनुसार, दोनों देशों के बीच इस मुद्दे पर अगस्त के अंत में हुई अंतिम बैठक में सहमति बनी थी। नए समझौते के तहत खाड़ी में प्रवेश करने वाला समुद्री मार्ग पूरी तरह ईरान के प्रादेशिक समुद्री क्षेत्र से होकर गुजरेगा। वहीं, बाहर निकलने वाले मार्ग का एक हिस्सा भी ईरान के समुद्री क्षेत्र में रहेगा।

ओमान में होगी अहम बैठक

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई के अनुसार, सोमवार को ओमान में खाड़ी तटीय देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक होगी। इसमें ईरान, इराक और खाड़ी देशों के विदेश मंत्री हिस्सा लेंगे। बैठक में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए नए समुद्री गलियारे की स्थापना सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। इस बैठक को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर दुनिया के बड़े हिस्से में तेल और अन्य ऊर्जा उत्पादों की आपूर्ति होती है। ऐसे में यहां जहाजों की आवाजाही में किसी भी तरह की रुकावट का असर क्षेत्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार पर भी पड़ सकता है।

ईरान की निगरानी में संचालित होगा नया मार्ग

ईरानी सूत्रों के मुताबिक, नए समुद्री मार्ग का संचालन ईरान की तय व्यवस्थाओं और नियमों के तहत किया जाएगा। नया मार्ग प्रभावी होने के बाद जलडमरूमध्य के दक्षिणी हिस्से वाला मार्ग बंद कर दिया जाएगा। अमेरिका की ओर से लगातार दक्षिणी मार्ग को खोलने की मांग की जा रही थी, ऐसे में ईरान का यह फैसला उसके लिए चुनौती बढ़ा सकता है।

होर्मुज पूरी तरह खुलने की बात नहीं

ईरान और ओमान के बीच नए मार्ग को लेकर बनी सहमति को होर्मुज जलडमरूमध्य के पूरी तरह खुलने के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। ईरान ने जलडमरूमध्य को दोबारा पूरी तरह खोलने के लिए सात शर्तें रखी हैं। बताया जा रहा है कि ये शर्तें अमेरिका तक पहुंचा दी गई हैं। ईरानी पक्ष का कहना है कि जब तक उसकी सभी शर्तें पूरी नहीं होतीं, तब तक होर्मुज को पूरी तरह खोलने का फैसला नहीं किया जाएगा। यानी आगे की स्थिति काफी हद तक अमेरिका के रुख पर निर्भर करेगी।

समुद्री रास्ते को लेकर बढ़ी कूटनीतिक हलचल

ईरान और ओमान के बीच बनी सहमति ने पश्चिम एशिया में कूटनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। सोमवार की बैठक में खाड़ी देशों के रुख और ईरान की शर्तों पर होने वाली चर्चा से आगे की तस्वीर साफ होने की उम्मीद है। फिलहाल नए मार्ग को लेकर सहमति बनी है, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य से सामान्य और पूरी तरह सुरक्षित जहाजरानी कब शुरू होगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

ब्रिक्स भोज में नहीं पहुंचे शी जिनपिंग

पीएम से मुलाकात के बाद थकान मिटाने होटल लौटे

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शनिवार को आयोजित ब्रिक्स नेताओं के रात्रिभोज में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल नहीं हुए। यह रात्रिभोज ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले देशों के नेताओं, आमंत्रित देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के सम्मान में आयोजित किया गया था। जिनपिंग के अलावा अबू धाबी के युवराज शेख खालिद बिन मोहम्मद भी भोज में शामिल नहीं हुए। वह दिन में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद स्वदेश रवाना हो गए थे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग शनिवार दोपहर नई दिल्ली पहुंचे थे। उन्होंने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की। दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात के बाद जिनपिंग रात्रिभोज में शामिल होने के बजाय अपने होटल लौट गए।

जिनपिंग के भोज में शामिल नहीं होने की तत्काल कोई आधिकारिक वजह सामने नहीं आई। हालांकि, एक सूत्र के मुताबिक चीन के राष्ट्रपति आराम करने के लिए होटल लौट गए थे। दूसरी ओर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत ब्रिक्स के अन्य प्रमुख नेता रात्रिभोज में शामिल हुए।

भारत मंडपम में हुआ भव्य आयोजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी में रात्रिभोज का आयोजन भारत मंडपम में किया गया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने आए विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के साथ भारतीय नेतृत्व की भी यहां मौजूदगी रही। रात्रिभोज में केंद्रीय मंत्रियों के साथ कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। अमित शाह, निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान, सर्बानंद सोनोवाल और किरेन रिजिजू समेत कई केंद्रीय मंत्री कड़ी सुरक्षा के बीच संसद भवन परिसर से दो बसों में एक साथ रवाना हुए।

भाजपा नेता राजीव ब्रह्मर्षि के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग, 10 खोखे बरामद; बदमाश फरार

वैशाली। वैशाली जिले के सदर थाना क्षेत्र के अदलपुर मोहल्ले में बेखौफ अपराधियों ने भाजयुमो के जिलाध्यक्ष और हिंदू पुत्र संगठन के संरक्षक राजीव ब्रह्मर्षि के आवास को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ गोलीबारी की। बाइक सवार दो बदमाशों ने भाजपा नेता के मकान पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। हालांकि, गनीमत रही कि घटना में परिवार का कोई सदस्य घायल नहीं हुआ और सभी सुरक्षित हैं। वारदात के बाद अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

बाइक से आए दो अपराधियों ने बरसाईं गोलियां

मिली जानकारी के अनुसार, एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर दो अपराधी अदलपुर मोहल्ले में राजीव ब्रह्मर्षि के आवास के पास पहुंचे। इसके बाद दोनों ने मकान को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। परिवार के सभी सदस्यों के सुरक्षित होने की जानकारी मिलने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए वैशाली एसएसपी शुभांक मिश्रा और सदर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे।

महाराष्ट्र से उत्तराखंड तक बारिश का कहर

मुंबई एयरपोर्ट के पास जलभराव, चीन सीमा का पुल बहा; बिगड़ेंगे हालात?

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में भारी बारिश के बाद मुंबई में कई जगह पानी भर गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के आसपास भीषण जलभराव देखने को मिला। बारिश के कारण सड़कों पर पानी जमा होने से लोगों को आवाजाही में परेशानी हुई। गुजरात के भरूच में भी देर रात हुई तेज बारिश के बाद कासक अंडरपास में भारी जलभराव हो गया। तस्वीरें बता रही हैं कि कई इलाकों में बारिश के बाद पानी निकालना बड़ी चुनौती बन गया है।

उत्तराखंड में बारिश ने चीन सीमा का संपर्क काट दिया

बारिश का सबसे बड़ा असर उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में देखने को मिला है। तवाघाट-गुंजी हाईवे पर कुलागाड़ में बना 170 मीटर लंबा बेली ब्रिज तेज बहाव में बह गया। यह पुल दारमा, व्यास और चौदास घाटियों को जोड़ता था। पुल टूटने के बाद तीनों घाटियों का संपर्क पूरी तरह कट गया है। इसका असर चीन सीमा से जुड़े 35 गांवों की 30 हजार से ज्यादा आबादी पर पड़ा है। सीमा पर तैनात सैनिकों की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। रात हुई अतिवृष्टि के बाद कुलागाड़ में पानी का बहाव बेहद तेज हो गया।

सऊदी अरब में हूतियों का बड़ा हमला मिलिट्री बेस पर बरसाए मिसाइल-ड्रोन

नई दिल्ली। एजेंसी

मिडिल-ईस्ट में हालात स्थिर होने के नाम नहीं ले रहे हैं। यमन के हूतियों ने अब सऊदी अरब के शरूराह में ड्रोन दाग दिए हैं। हूतियों ने दावा किया है कि उसने एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाकर बड़ा हमला किया है। हूती सैन्य प्रवक्ता याहिया सारी ने टेलीग्राम पर जारी एक बयान में इस हमले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हूतियों ने सैन्य अड्डे के हथियारों के डिपो और कमांड-एंड-कंट्रोल रूम को निशाना बनाया है। याहिया की मानें तो इस हमले में बड़ी संख्या में बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

प्रवक्ता का दावा है कि ये सभी निशाने बिल्कुल निशाने पर लगे। याहिया सारी ने इस हमले को यमन के खिलाफ सऊदी अरब की लगातार जारी आक्रामकता का जवाब बताया। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हमले नहीं रुके, तो आने वाले दिनों में सऊदी अरब के अंदरूनी हिस्सों में और भी घातक हमले किए जाएंगे।

सऊदी अरब के जीजान में दो घायल

दूसरी तरफ, सऊदी सिविल डिफेंस ने भी हूती हमले से नुकसान की पुष्टि की है। सऊदी नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, यमन की ओर से दागे गए एक प्रोजेक्टाइल के जीजान में गिरने से दो लोग घायल हो गए हैं। इस हमले के चलते एक स्थानीय मस्जिद, कई रिहायशी इमारतों और कई गाड़ियों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

मेट्रो एंकर राजनाथ सिंह का बड़ा बयान; नक्सलवाद का हो चुका अंत

आतंकियों के घर में घुसकर मार रही हमारी सेना

नई दिल्ली। एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की नीति को लेकर बड़ा बयान दिया है। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देश ने आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ निर्णायक और कठोर कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना आतंकवादियों के ठिकानों तक पहुंचकर उनका सफाया कर रही है और देश की जनता इसका परिणाम देख चुकी है।

सैनिकों के पराक्रम पर सवाल उठाने वालों पर साधा निशाना

राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए सेना और सुरक्षा बलों के जवान लगातार अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए सैनिकों के शौर्य और पराक्रम पर सवाल उठाने वाले लोगों पर दुख जताया। रक्षा मंत्री ने कहा कि जवानों के साहस और बलिदान पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के साथ नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आंतरिक सुरक्षा हो या बाहरी खतरा, सरकार का स्पष्ट रुख है कि देश की सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।

रक्षा मंत्री ने दावा किया कि भारत नक्सल हिंसा से मुक्त हो चुका है और नक्सलवाद का अंत हो गया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक वामपंथी उग्रवादियों और उनके समर्थकों की ओर से यह धारणा बनाई जाती रही कि गरीबी के कारण नक्सलवाद फैला। राजनाथ सिंह ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि वास्तविकता इसके उलट थी। उनके अनुसार, नक्सलवाद के कारण ही कई क्षेत्रों में विकास प्रभावित हुआ और गरीबी बढ़ी। उन्होंने कहा कि हिंसा और उग्रवाद ने लंबे समय तक देश के कई हिस्सों में विकास की राह में बाधाएं खड़ी कीं।

सुरक्षा को शासन की मुख्य प्राथमिकता बताया

राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा को शासन की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान केवल बाहरी खतरों से निपटने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के भीतर शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार की नीतियों का उद्देश्य देश को मजबूत, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ कार्रवाई का असर जमीन पर दिखाई दे रहा है।

मोदी को बताया सुशासन का पर्याय

राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुशासन का पर्याय बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री लगातार चुनावों में जनता का विश्वास हासिल कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वैश्विक स्तर पर किए जाने वाले विभिन्न सर्वेक्षणों में भी नरेंद्र मोदी को दुनिया के लोकप्रिय नेताओं में शामिल किया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता देशहित, सुरक्षा और नागरिकों का विश्वास कायम रखना है। रक्षा मंत्री के बयान के बाद एक बार फिर आतंकवाद, नक्सलवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सरकार की नीति चर्चा में आ गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524